শর্মা হার্ডওয়েৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 50 | गुवाहाटी | सोमवार, 16 सितंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

आंतरिक सुरक्षा की नई चुनौतियों से निपटने पर काम करें एजेंसियां : गृहमंत्री — पेज 2
सोनापुर में एआईयूडीएफ और कांग्रेस नेताओं का फूंका पुतला — पेज 3
जहाजपुर में पथराव का मामला : दो मस्जिदों के स्वामित्व दस्तावेज मांगे, तनाव बरकरार — पेज 5
भारत-बांग्लादेश कानपुर टेस्ट : ऐतिहासिक मैनुअल स्कोरबोर्ड का नहीं होगा इस्तेमाल — पेज 7

बिना किसी अप्रिय घटना के संपन्न हुई एडीआरई ग्रेड थ्री की भर्ती परीक्षा

एडीआरई ग्रेड थ्री परीक्षा : हॉल के अंदर प्रवेश करने के लिए महानगर के बी. बरुआ कॉलेज में इकट्ठा होते परीक्षार्थी। फोटो-दशरथ डेका।

गुवाहाटी। राज्य के 2,305 परीक्षा केंद्रों पर ग्रुप थ्री सरकारी पदों के लिए असम सीधी भर्ती परीक्षा (एडीआरई) सुचारू रूप से आज आयोजित की गई, जिसमें किसी भी तरह की घटना की सूचना नहीं मिली। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और साढ़े तीन घंटे तक इंटरनेट सेवाओं के निलंबन ने सुनिश्चित किया कि परीक्षा में किसी तरह की बाधा न आए। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने परीक्षा के सफल समापन पर संतोष व्यक्त किया। शर्मा ने एक्स पर पोस्ट किया कि असम सरकार के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रति मेरी हार्दिक कृतज्ञता, जिन्होंने बिना किसी समस्या के इस महत्वपूर्ण कार्य को सफलतापूर्वक पूरा किया है। उन्होंने सरकारी भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। परीक्षार्थी परीक्षा केंद्रों पर जल्दी पहुंचे और सुबह 10 बजे ही गेट खुल गए। फेसबुक, व्हाट्सएप और टेलीग्राम जैसे मोबाइल एप्लीकेशन के संभावित दुरुपयोग के खिलाफ एहतियात के तौर पर सुबह 10 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गई, जो पहले भी हुई गड़बड़ियों से जुड़ी रही हैं। राज्य भर में 2,305 केंद्रों पर आयोजित इस परीक्षा के लिए कुल 11,23,204 उम्मीदवार पात्र थे। अधिकारियों ने 429 केंद्रों को उनके स्थान और धोखाधड़ी के ऐतिहासिक मुद्दों के कारण *संवेदनशील* के रूप में पहचाना। अभ्यर्थियों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने के लिए पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने 12 विशेष -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने जताया आभार

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि एडीआरई परीक्षा का एक चरण पूरा हुआ। इसके लिए मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार के अधिकारियों और कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए युवा पीढ़ी को सोशल मीडिया के जरिए आश्वासन भी दिया। उल्लेखनीय है कि असम सीधी भर्ती परीक्षा (एडीआरई) की तृतीय श्रेणी की लिखित परीक्षा का पहला चरण आज शुरू हुआ। सुबह 10.30 बजे शुरू हुई परीक्षा दोपहर 1:30 बजे समाप्त हुई। परीक्षा खत्म होने के तुरंत बाद मुख्यमंत्री ने आभार व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। एक पोस्ट में मुख्यमंत्री ने लिखा कि पहली एडीआरई परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम सरकार के उन सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रति मेरा आंतरिक आभार है, जिन्होंने बिना किसी समस्या के इस कार्य को सफलतापूर्वक पूरा किया है। उन्होंने कहा कि मैंने एक बार फिर हमारी युवा पीढ़ी को आश्वस्त किया है कि सरकारी नियुक्तियों में पारदर्शिता हमारी विशेषता बनी रहेगी। ज्ञात हो कि राज्य सरकार ने आज आयोजित परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए सुबह 10 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को निलंबित कर दिया था।

13.9 प्रतिशत जीएसडीपी के साथ देश के शीर्ष पांच विकासशील राज्यों में असम शामिल : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि असम 2023-24 में 13.9 प्रतिशत जीएसडीपी और 12.84 प्रतिशत प्रति व्यक्ति आय के साथ भारत के शीर्ष पांच विकासशील राज्यों में से एक है। एक कार्यक्रम में बोलते हुए असम के सीएम शर्मा ने कहा कि 2023 में जब हम पिछले दो-तीन सालों पर विचार करेंगे, तो हमारा राज्य भारत के उन कुछ राज्यों में से एक होगा, जिसने अर्थव्यवस्था में सुधार जारी रखा है। असम ने 2023-24 में जीएसडीपी के मामले में 13.9 प्रतिशत और प्रति व्यक्ति आय के मामले में 12.84 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है, जिससे यह देश के शीर्ष पांच सबसे तेजी से बढ़ते राज्यों में से एक बन गया है। उन्होंने कहा कि जब हम भारत के वित्त मंत्री द्वारा संसद के समक्ष प्रस्तुत अर्थव्यवस्था सर्वेक्षण को देखते हैं, तो आप देखेंगे कि असम से ऊपर चार राज्य हैं जिन्होंने वित्त वर्ष 2023-24 में 12 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। उन्होंने आगे कहा कि आज अर्थव्यवस्था की मात्रा और विकास के प्रतिशत के बावजूद, असम 2023-24 में देश के शीर्ष पांच बढ़ते राज्यों में से एक के रूप में उभरा है। उन्होंने यह भी कहा कि इसी अवधि में असम की बेरोजगारी दर 8 प्रतिशत से घटकर 6 प्रतिशत हो गई है, जबकि देश का कोई भी अन्य राज्य अपनी बेरोजगारी दर को कम नहीं कर पाया है। उन्होंने बताया कि आज असम देश में निवेश के लिए अनुकूल राज्यों में से एक है। हमने ऐसी नीतियां लागू की हैं जो निवेश क्षेत्र को प्रोत्साहित करेंगी। कुल मिलाकर निजी-सार्वजनिक निवेश 50,000 करोड़ रुपए के निवेश के साथ पहली सेमी-कंडक्टर असेंबलिंग इकाई होगी। सेमी-कंडक्टर इकाई में टाटा का निवेश 27,000 करोड़ रुपए तक है, जिससे 27,000 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष बेरोजगारों को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने आगे बताया कि रिलायंस ने बायो-रिफाइनरी लगाने के लिए असम को चुना है। वे देश में छह बायो-रिफाइनरियां लगाएंगे और असम उन राज्यों में से एक होगा जहां वे रिफाइनरी लगाएंगे। हिमंत विश्व शर्मा ने एक्स से कहा कि असम को पिछले 3 सालों में 50,000 करोड़ रुपए का निवेश मिला है। टाटा, अडानी, रिलायंस, एयरबस, पेप्सी और डसॉल्ट कुछ बड़ी कंपनियां हैं जो राज्य में निवेश करेंगी।

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

एक आदर्श पत्नी वो है जो अपने पति की सुबह मां की तरह सेवा करे और दिन में एक बहन की तरह प्यार करे और रात में एक वेश्या की तरह खुश करे।
– आचार्य चाणक्य

मुख्यमंत्री केजरीवाल देंगे अपने पद से इस्तीफा

नई दिल्ली (हि.स.)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आखिरकार अपने पद से इस्तीफा देने का फैसला कर लिया है। उन्होंने आज पार्टी कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में इसकी घोषणा कर दी। उन्होंने कहा कि वह दो दिन बाद अपने पद से इस्तीफा देंगे और जनता की अदालत में जाएंगे। दिल्ली की तिहाड़ जेल से रिहा होने के बाद आज पार्टी मुख्यालय में उनके स्वागत का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस स्वागत कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की जनता, दिल्ली की जनता उन्हें ईमानदार मानती है। उन पर -शेष पृष्ठ दो पर

जल्द लागू होगा एक राष्ट्र, एक चुनाव का नियम, सामने आई खास जानकारी

नई दिल्ली। भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार अपने मौजूदा कार्यकाल के अंदर *एक राष्ट्र, एक चुनाव* लागू करेगी, उन्होंने विश्वास जताया कि उन्हें पार्टी लाइनों से समर्थन मिलेगा। सूत्रों की तरफ से ये जानकारी सामने आई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के तीसरे कार्यकाल के 100 दिन पूरे होने पर सूत्रों ने कहा कि सत्तारूढ़ गठबंधन के अंदर सामंजस्य शेष कार्यकाल तक जारी रहेगा। एक सूत्र ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि निश्चित रूप से, इसे इसी कार्यकाल में लागू किया जाएगा। यह एक वास्तविकता होगी। पिछले महीने अपने स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में, प्रधान मंत्री ने एक राष्ट्र, एक चुनाव की जोरदार वकालत की और तर्क दिया कि बार-बार होने वाले चुनाव देश की प्रगति में बाधाएं पैदा कर रहे हैं। मोदी ने लाल किले की प्राचीर से अपने संबोधन में कहा था कि देश को एक राष्ट्र, एक चुनाव के लिए आगे आना होगा। प्रधानमंत्री ने राजनीतिक दलों से लाल किले से और राष्ट्रीय तिरंगे को साक्षी मानकर देश की प्रगति सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने पार्टियों से यह सुनिश्चित करने के लिए भी कहा कि राष्ट्रीय संसाधनों का उपयोग आम आदमी के लिए किया जाए और कहा कि हमें एक राष्ट्र, एक -शेष पृष्ठ दो पर

तूफान प्रभावित तीन देशों को भारत ने भेजी राहत सामग्री

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत प्रकृति आपदा जैसे संकट में मदद का हाथ बढ़ाने में सबसे आगे रहता है। इसी क्रम में भारत ने चक्रवात तूफान यागी से प्रभावित म्यांमार, वियतनाम और लाओस के लिए राहत सामग्री भेजी है। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने सोशल मीडिया पोस्ट में इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सूखा राशन, कपड़े और दवाइयों सहित 10 टन सहायता म्यांमार को भेजी गई है। 35 टन सहायता वियतनाम को भेजी गई है, -शेष पृष्ठ दो पर

राजस्व के लिए असम पर निर्भरता पर टैक्सी एसोसिएशन ने मेघालय सरकार की आलोचना की

शिलांग। ऑल खासी मेघालय टूरिस्ट टैक्सी एसोसिएशन (एकेएमटीटीए) ने राज्य के राजस्व सृजन मॉडल को विकसित करने में विफल रहने के लिए मेघालय सरकार की आलोचना की है। एसोसिएशन की यह टिप्पणी पर्यटन मंत्री पॉल लिंगदोह के हालिया बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने मेघालय के लिए राजस्व सृजन में असम की भूमिका पर प्रकाश डाला था। एकेएमटीटीए के अध्यक्ष रिकालडिनस डोहलिंग ने राज्य सरकार की असम पर निर्भरता पर निराशा व्यक्त की तथा तर्क दिया कि इससे स्थानीय पर्यटन के विकास में बाधा उत्पन्न होती है। इससे पहले, मंत्री लिंगदोह ने कहा था कि गुवाहाटी हवाई अड्डे और रेलवे स्टेशन सहित असम की सुविधाएं मेघालय में पर्यटन के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

राधिकापुर-सिलीगुड़ी डीएमयू ट्रेन में लगी आग, यात्रियों में मची अफरा-तफरी

किशनगंज (हि.स.)। किशनगंज रेलवे स्टेशन से सटे तेघरिया रेलवे गुमटी के समीप रविवार को तकरीबन साढ़े बारह बजे राधिकापुर सिलीगुड़ी डीएमयू पैसेंजर ट्रेन के इंजन में अचानक आग लग गई। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। ट्रेन करीब 12 बजकर 10 मिनट पर किशनगंज रेलवे स्टेशन से खुली। ट्रेन जैसी ही तेघरिया रेल गुमटी के पास पहुंची ट्रेन के इंजन के आगे हिस्से से धुआं निकलने लगा। इंजन के उपरी हिस्से -शेष पृष्ठ दो पर

उपराष्ट्रपति ने 434 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में *संविधान मंदिरों* का उद्घाटन किया

मुंबई (हि.स.)। भारत की उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को मुंबई में कहा कि संविधान मंदिर भारत के संविधान के प्रति जागरुकता के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर भारतीय संविधान के निर्माता हैं और भारतीय संविधान हर तरह से अद्वितीय है। मुंबई के एल्फिंस्टन टेक्निकल स्कूल और जूनियर कॉलेज में कौशल विकास विभाग और व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण निदेशालय के तहत संचालित 434 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में *संविधान मंदिर* का उद्घाटन रविवार को उपराष्ट्रपति के हाथों किया गया। जगदीप धनखड़ ने कहा कि भारतीय संस्कृति का -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

घुसपैठ के चलते बदली डेमोग्राफी से सभी का भविष्य चिंतित : हिमंत

जमशेदपुर (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री और भाजपा के झारखंड विधानसभा चुनाव सह प्रभारी हिमंत विश्व शर्मा ने राज्य सरकार को आड़े हाथों लेते हुए जमकर हमला किया। वह जमशेदपुर के बिस्टुपुर गोपाल मैदान में रविवार को आयोजित परिवर्तन महारैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बांग्लादेशी -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम ने बिहार को दी वंदे भारत एक्सप्रेस की सौगात

पटना (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड राज्य के रांची एयरपोर्ट से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से 6 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई, जिसमें बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रविवार को एक अणे मार्ग स्थित *संकल्प* से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये शामिल हुए। इसमें बिहार के विभिन्न -शेष पृष्ठ दो पर

हमें छुआछूत के भाव को पूरी तरह मिटाना है : भागवत

जयपुर (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि हम अपने धर्म को भूलकर स्वार्थ के अधीन हो गए, इसलिए छुआछूत चला। ऊंच-नीच का भाव बढ़ा, हमें इस भाव को पूरी तरह मिटाना है। जहां संघ का काम प्रभावी है, संघ की शक्ति है, वहां कम से कम मंदिर, पानी, श्मशान सब हिंदुओं के लिए खुले रहें, यह काम समाज का मन बदलते हुए करना है। सामाजिक समरसता के माध्यम से परिवर्तन लाना है। उन्होंने स्वयंसेवकों से सामाजिक समरसता, पर्यावरण, कुटुम्ब प्रबोधन, स्व का भाव और नागरिक अनुशासन इन पांच विषयों को अपने जीवन में उतारने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जब इन बातों को स्वयंसेवक अपने जीवन में उतारेंगे तब समाज भी इनका अनुसरण करेगा। डॉ. भागवत रविवार को अलवर जिले के इंदिरा गांधी खेल मैदान में स्वयंसेवकों के एकत्रीकरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष संघ कार्य को सौ वर्ष पूरे हो रहे हैं। संघ की कार्य पद्धति दीर्घकाल से चली आ रही है। हम कार्य करते हैं तो उसके पीछे विचार क्या है, यह हमें ठीक से समझ लेना चाहिए और अपनी कृति के पीछे यह सोच हमेशा जागृत रहनी चाहिए। राष्ट्र को समर्थ करना है। हमने प्रार्थना में ही कहा है कि यह हिंदू राष्ट्र है। क्योंकि हिंदू समाज इसका -शेष पृष्ठ दो पर

सुकमा में जादू-टोना के शक में प्रधान आरक्षक समेत पांच की हत्या

सुकमा (हि.स.)। जिले के कोंटा थाना क्षेत्र के ग्राम एतकल में जादू-टोने के शक में ग्रामीणों ने एक ही परिवार के पांच लोगों को लाठी-डंडों से बेहरमी से पीट-पीट कर मौत के घाट उतार दिया। इनमें तीन महिलाएं भी शामिल हैं। इस घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल है। सूचना मिलते ही सुकमा एसपी पुलिस बल और अन्य अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंच गए हैं। इस मामले में पुलिस ने पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर किया है। जानकारी के अनुसार सुकमा जिले के कोंटा थाना क्षेत्र के ग्राम एतकल में एक परिवार पर गांव के लोग जादू टोना करने का शक करते थे। इसे लेकर ग्रामीणों ने एक ही परिवार के पांच सदस्यों पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। ग्रामीणों ने मौसम कन्ना (60), उसकी पत्नी मौसम बिरी, मौसम बुच्चा (34), उसकी पत्नी मौसम अरजो (32) और करका लच्छी (43) को लाठी और डंडे से पीट-पीटकर बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद कोंटा पुलिस मौके पर पहुंच गई। इसके बाद पुलिस ने इस मामले में इसी गांव के -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

आंतरिक सुरक्षा की नई चुनौतियों से निपटने पर काम करें एजेंसियां : गृहमंत्री

नई दिल्ली। नक्सल समस्या, जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद और पूर्वोत्तर के अलगाववाद जैसी आंतरिक सुरक्षा की पुरानी चुनौतियों पर लगाम लगाने में काफी हद तक मिली सफलता के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने सुरक्षा एजेंसियों से नई चुनौतियों से निपटने के लिए काम करने को कहा है। इस सिलसिले में उन्होंने ड्रग्स तस्करी, ड्रोन और ऑनलाइन अपराध जैसी नई चुनौतियों का हवाला देते हुए कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बनने से पहले ही इनसे निपटना होगा। गृह मंत्री ने राष्ट्रीय सुरक्षा पर रणनीति (नेशनल सिक्योरिटी स्ट्रेटिजीज) पर आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन के अंतिम दिन पुलिस महानिदेशकों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक एक समृद्ध, मजबूत और विकसित भारत बनाने के दृष्टिकोण के मुताबिक काम करने की अपील की। अमित शाह ने राज्यों के पुलिस महानिदेशकों से नए आपराधिक कानूनों को समग्रता में लागू करने की अपील करते हुए कहा कि नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा और पीड़ितों के लिए त्वरित और समय पर न्याय सुनिश्चित करने के लिए यह जरूरी है। केवल मानसिकता में बदलाव, प्रौद्योगिकी को अपनाने और सुचारु समन्वय के सहारे नए कानूनों के परिवर्तनकारी प्रभाव को हासिल किया जा सकता है। पालन सुनिश्चित करने के लिए युवा पुलिस अधिकारियों की टीमें गठित करनी चाहिए। गृह मंत्री ने आतंकवाद और नक्सलवाद पर लगाम लगाने में मिली सफलता के लिए सुरक्षा एजेंसियों की तारीफ की। लेकिन यह भी साफ कर दिया कि आतंकवाद के खिलाफ अभियान को नए आयाम तक ले जाना होगा। आतंकी व नक्सली फंडिंग पर पूरी तरह से रोक लगानी होगी। उन्होंने इसके लिए एक विस्तृत रणनीति का प्रस्ताव रखा, जिसमें एजेंसियों की क्षमता बढ़ाने से लेकर अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ सहयोग तक शामिल है। इस सिलसिले में उन्होंने आतंकरोधी ढांचे को मजबूत करने के लिए एनआइए और राज्यों के एटीएस के बीच सहयोग और समन्वय पर जोर दिया। गृह मंत्री ने पुलिस महानिदेशकों को केंद्रीय एजेंसियों द्वारा तैयार किए जा रहे अपराधियों के डाटाबेस का उपयोग सुनिश्चित करने को कहा। डाटा के विश्लेषण, नई तकनीक के इस्तेमाल और बहुआयामी दृष्टिकोण अपना कर आंतरिक सुरक्षा के ढांचे को और भी मजबूत किया जा सकता है। दो दिन तक चले सम्मेलन में सुरक्षा एजेंसियों से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ अत्याधुनिक तकनीक पर काम करने वाले युवा पुलिस अधिकारियों और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। हाईब्रिड मोड में हुए सम्मेलन में 750 से अधिक अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

वार्ता विफल होने के बाद रातभर हुई बारिश के बीच नारेबाजी

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में शनिवार रात एक बार फिर विरोध प्रदर्शन का दौर देखने को मिला। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आवास पर पहुंच कर भी डॉक्टरों ने जब बैठक नहीं की तब देर रात खबर आई कि सीबीआई ने दुष्कर्म मामले में संदीप घोष और टाला थाने के ओसी अभिजीत मंडल को गिरफ्तार किया है। उसके बाद विरोध प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों में खुशी फैल गई। इन्होंने पहले से ही रात दखल अभियान का आह्वान किया था जिसके बाद डॉक्टर लगातार नारेबाजी करने लगे। श्यामबाजार और आसपास के इलाकों में लोग बारिश के बीच नारे लगाते नजर आए। इस पूरे घटनाक्रम की शुरुआत मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ जूनियर डॉक्टरों की बैठक के विफल होने के बाद हुई। बैठक विफल होते ही विरोध का माहौल और तेज हो गया। इसी दौरान टाला थाने के पूर्व ओसी की सीबीआई द्वारा गिरफ्तारी की खबर सामने आई, जिससे प्रदर्शनकारियों में काफी खुशी देखी गई। श्यामबाजार में विरोध कर रहे लोगों का कहना था कि ओसी ने शायद किसी के कहने पर काम किया होगा लेकिन अब उनकी भी बारी आ सकती है। हालांकि यह विरोध अन्य दिनों की तुलना में कम प्रभावी दिखा, पर प्रदर्शनकारियों का जोश बरकरार था। श्यामबाजार से लेकर दमदम, नागेरबाजार, सिंथी मोड़ और अन्य जगहों पर प्रदर्शनकारी जमा हुए। बारिश के बीच सैकड़ों की संख्या में लोग सड़कों को रोककर विरोध प्रदर्शन में हिस्सा ले रहे थे। बारिश थमने पर प्रदर्शनकारियों ने मोमबत्तियां जलाईं और प्रदर्शन जारी रखा। इसी बीच यह चर्चा तेज हो गई कि मुख्यमंत्री ने टाला थाने के ओसी की गिरफ्तारी की खबर के बाद ही बैठक रद्द कर दी थी। लोगों के बीच यह सवाल भी गूंजा कि अब क्या पुलिस कमिश्नर विनीत गोयल को भी हटाया जाएगा?

राष्ट्रपति ने मिलाद-उन-नबी की पूर्व संध्या पर दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मिलाद-उन-नबी की पूर्व संध्या पर देशवासियों विशेष कर मुसलमानों को शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि पैगंबर मुहम्मद ने हमें प्रेम और भाईचारे की भावनाओं को मजबूत करने के लिए प्रेरित किया। हमें पवित्र कुरान की पवित्र शिक्षाओं को आत्मसात कर एक शांतिपूर्ण समाज बनाने का संकल्प करना चाहिए। राष्ट्रपति मुर्मू ने मिलाद-उन-नबी की पूर्व संध्या पर अपने संदेश में कहा कि पैगंबर मुहम्मद के जन्मदिन पर, जिसे मिलाद-उन-नबी के रूप में मनाया जाता है, मैं सभी साथी नागरिकों, विशेष रूप से हमारे मुस्लिम भाइयों और बहनों को अपनी हार्दिक बधाई देती हूं। उन्होंने कहा कि पैगंबर मुहम्मद ने हमें प्रेम और भाईचारे की भावनाओं को मजबूत करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने समाज में समानता और सद्भाव के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने लोगों को दूसरों के प्रति दयालु होने और मानवता की सेवा करने के लिए प्रोत्साहित किया।

गुजरात प्रवास पर पहुंचे पीएम राज्यपाल और सीएम ने किया स्वागत

अहमदाबाद (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार शाम अपने तीन दिवसीय गुजरात प्रवास पर अहमदाबाद हवाईअड्डे पर पहुंचे। हवाईअड्डे पर राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल, प्रोटोकॉल मंत्री जगदीश विश्वकर्मा, अहमदाबाद शहर की महापौर प्रतिभाबेन जैन, राज्य के मुख्य सचिव राज कुमार, जीएडी के अतिरिक्त मुख्य सचिव कमल दयाणी, राज्य के पुलिस महानिदेशक विकास सहाय, अहमदाबाद शहर के पुलिस आयुक्त जीएस मलिक, मेजर जनरल गौरव बग्गा, अहमदाबाद कलक्टर प्रवीणा डी.के. समेत अन्य अधिकारियों ने भी प्रधानमंत्री मंत्री का स्वागत किया। पीएम मोदी 15 से 17 सितम्बर तक गुजरात प्रवास पर रहेंगे। 17 सितम्बर को प्रधानमंत्री का जन्मदिन है, वे इस अवसर पर भी अपने गृह प्रदेश में ही रहेंगे। तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद वे पहली बार गुजरात पहुंचे हैं। 16 सितम्बर को प्रधानमंत्री मोदी अहमदाबाद के जीएमडीसी ग्राउंड में आयोजित सम्मान समारोह में शामिल होंगे।

मप्र में अपराध में आई कमी, महिलाओं के विरुद्ध गंभीर अपराध भी हुए कम

भोपाल (हि.स.)। मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा अपराध नियंत्रण के संबंध में की जा रही कार्यवाहियों के सकारात्मक एवं अनुकूल परिणाम परिलक्षित हुए हैं। राज्य अपराध अभिलेख ब्यूरो (एससीआरबी) के वर्ष 2023 और 2024 के 01 जनवरी से 31 जुलाई तक हुए अपराधों की समीक्षा करने पर यह तथ्य प्रकाश में आया है। इसके मुताबिक वर्ष 2023 की तुलना में वर्ष 2024 के प्रथम सात माह की अवधि में न सिर्फ अपराधों में कमी आई है बल्कि विभिन्न प्रकार के गंभीर अपराध, महिलाओं के विरुद्ध अपराध, बच्चों के विरूद्ध अपराध, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के विरुद्ध अपराधों में भी कमी आई है। पुलिस के जनसम्पर्क अधिकारी आशीष शर्मा ने रविवार को बताया कि पिछले 7 माह में कुल एक लाख 82 हजार 714 अपराध घटित हुए जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में एक लाख 89 हजार 178 अपराध घटित हुए थे। इससे यह स्पष्ट है कि विगत सात माह में अपराधों में 3.53 प्रतिशत की कमी आई है। इस संबंध में उल्लेखनीय है कि गंभीर अपराधों जैसे हत्या के प्रकरणों में 7.15 प्रतिशत और डकैती में 51.56 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है। उन्होंने बताया कि महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाकर त्वरित कार्यवाही की जा रही है। इसके फलस्वरूप जहां एक ओर गैंग रेप के प्रकरणों में 19.01 प्रतिशत की कमी आई है, वहीं महिलाओं के विरुद्ध घटित क्रूरता तथा दहेज प्रताड़ना के अपराधों में 3.23 प्रतिशत की कमी आई है।

राहुल गांधी देश के नंबर वन आतंकी... रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के विवादित बोल

नई दिल्ली। केंद्रीय राज्य मंत्री और भाजपा नेता रवनीत सिंह बिट्टू का बड़ा बयान सामने आया है। बिहार के भागलपुर पहुंचे रेल राज्य मंत्री बिट्टू ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को देश का नंबर वन आतंकी बताया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी फोटो खिंचवाने के लिए गरीबों के घर जाते हैं। उनकी परवरिश भी भारत में नहीं हुई है, बल्कि विदेश में हुई है। ज्यादा समय विदेश में ही बिताया है। दोस्त और रिश्तेदार सभी विदेशी हैं। उन्होंने कहा कि जो देश के सबसे बड़े वांटेड हैं उन पर राहुल गांधी पहले बयान देते हैं। आज जो देश में गोला बारूद बनाने के लिए प्रसिद्ध हैं उन्होंने ही राहुल गांधी के बयानों को सराहा है। राहुल ने उन्ही की बात कही है। आप यह देख लीजिए कि जो देश के दुश्मन हैं, गोला बारूद मारने काटने की बात करते हैं, जो ट्रेन, रोड उड़ा देते हैं वह लोग राहुल गांधी के संपर्क में आ गए हैं। ऐसे में आप अंदाजा लगा सकते हैं कि अगर देश में किसी को नंबर वन आतंकी कहा जाता तो वह राहुल गांधी ही होंगे। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि हमें लगता है कि राहुल गांधी को देश से ज्यादा प्यार नहीं है। इसीलिए वे बाहर जाकर हर चीज को लेकर उल्टा-पुल्टा बयान देते हैं। कभी वो ओबीसी की बात करते हैं तो कभी जाति की बात करते हैं। उनको कोई समझ नहीं है कि क्या कहना है और क्या करना है। हम लोग 2009 में एक साथ सांसद बने, लेकिन वो आज तक समझ नहीं सके हैं। राहुल गांधी का जिक्र करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि आज भी वह रिक्शा वाले के पास जाते हैं, आपको आज तक यह नहीं पता चला कि उनके दर्द क्या होते हैं। आप विपक्ष के नेता हैं। आप फोटो खिंचवाने के लिए कहीं भी पहुंच जाते हैं और बाद में उसका मजाक बनता है। आज भी यह गरीब तबके के लोगों का दर्द नहीं समझ सके हैं। भाजपा नेता बिट्टू ने कहा फिलहाल जो उन्होंने सिखों को बांटने की बात कही है तो मैं बतना चाहता हूं कि मुझे किसी ने हाथ में कड़े डालने या पगड़ी पहनने से मना नहीं किया। अगर कोई भी मुझे यह करने से रोकेगा तो मैं आज ही भाजपा छोड़ दूंगा। इन्होंने पहले मुसलमानों के बीच चिंगारी पैदा की और बाद में उन्हें इस्तेमाल किया। अब आप ही उन्हें समझाएं कि बॉर्डर पर जो सीखें देश की रक्षा करते हैं ये उनको बांटने का प्रयास कर रहे हैं। मौजूदा समय में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी अमेरिका दौरे पर हैं। जहां वो अलग-अलग कार्यक्रमों में भी शामिल हुए हैं। राहुल गांधी अपने भाषणों में विशेष रूप से भाजपा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हिंदूवादी संगठनों पर निशाना साधते हुए नजर आए हैं। राहुल गांधी के पहले टेक्सास, फिर वर्जीनिया और उसके बाद वाशिंगटन में दिए बयानों से देश की सियासत गरम हो गई है। रवनीत बिट्टू के बयान के बयान पर कांग्रेस ने पलटवार किया है। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि जिसने राहुल गांधी को आगे पीछे करके अपना पूरा राजनीतिक करियर बनाया। वो सत्ता के लालच में विरोधियों की गोदी में बैठ कर सस्ते बयान दे रहा है। रवनीत बिट्टू तुम और भौंको क्योंकि दुनिया को तुम्हारी गलीच असलियत पता चलनी चाहिए। शास्त्रों में तुम जैसों को ही आस्तीन का सांप कहा गया है।

पृष्ठ एक का शेष

बिना किसी अप्रिय ...

रेलगाड़ियां चलाईं और चार नियमित रेलगाड़ियों के मार्ग बढ़ाए। असम माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सेबा) ने तृतीय श्रेणी के पदों के लिए परीक्षा की देखरेख की, जिसके लिए भर्ती के लिए उच्चतर माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण पत्र (एचएसएसएलसी) की आवश्यकता होती है। वहीं शहर की आमतौर पर शांत रहने वाली रविवार की सुबह गतिविधि के केंद्र में तब्दील हो गई, क्योंकि ग्रेड थ्री पदों के लिए असम सीधी भर्ती परीक्षा 2024 (एडीआरई) केंद्र में थी। शहर में यातायात जाम, भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक परिवहन और शैक्षणिक संस्थानों के बाहर लंबी कतारें देखी गईं, क्योंकि राज्य की सबसे बड़ी भर्ती परीक्षाओं में से एक के लिए कामरूप (मेट्रो) के 329 परीक्षा केंद्रों पर 1.67 लाख से अधिक उम्मीदवार पहुंचे। इस आयोजन का महत्व सुबह से ही स्पष्ट था, क्योंकि असम के विभिन्न कोनों से अभ्यर्थी उत्साह और बेचैनी के मिश्रण के साथ गुवाहाटी में एकत्र हुए थे। प्रमुख परीक्षा केंद्रों में से एक, कॉटन विश्वविद्यालय में सैकड़ों अभ्यर्थी प्रवेश द्वार खुलने से काफी पहले ही कतार में खड़े हो गए थे; उनके चेहरे सपनों और दृढ़ संकल्प की झलक दिखा रहे थे। परीक्षा के बाद नाम न बताने की शर्त पर छात्र ने कहा कि हम इस बात से खुश हैं कि सरकार ने इस साल की परीक्षा को किस तरह से संभाला है। यह प्रक्रिया अनुशासित है और इसमें सुरक्षा के कड़े उपाय किए गए हैं। हम इस बात की भी सराहना करते हैं कि धोखाधड़ी और अन्य अनैतिक गतिविधियों को रोकने के लिए इंटरनेट बंद कर दिया गया है। इससे पहले, सरकार ने परीक्षाओं में अनैतिक तरीकों पर रोक लगाने के लिए रविवार को परीक्षा आयोजित करने वाले जिलों में तीन घंटे के लिए इंटरनेट पर प्रतिबंध लगा दिया था। शनिवार रात जारी एक अधिसूचना में कहा गया कि यह सुनिश्चित करने के लिए कि परीक्षा प्रक्रिया में कोई खामी न रहे जो भर्ती प्रक्रिया की निष्पक्षता के बारे में जनता के मन में संदेह पैदा कर सकती है, असम सरकार ने 15 सितंबर 2024 को सुबह 10:00 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक मोबाइल इंटरनेट/मोबाइल डेटा/मोबाइल/वाई-फाई कनेक्टिविटी को अस्थायी रूप से अक्षम करने के लिए आवश्यक कदम उठाए हैं। इससे पहले 11 सितंबर को पारदर्शी परीक्षा आयोजित करने के लिए सरकार ने असम सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम के उपाय) अधिनियम, 2024 पेश किया था। नये कानून में अनुचित व्यवहार में लिप्त पाए जाने वालों के लिए कठोर दंड का प्रावधान किया गया है, जिसमें तीन वर्ष तक की जेल और 10 लाख रुपए तक का जुर्माना शामिल है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 8 सितंबर को ग्रेड थ्री और कक्षा चौथी परीक्षाओं के लिए एडीआरई 2024 के सुचारू निष्पादन को सुनिश्चित करने के लिए जिला आयुक्तों और पुलिस अधीक्षकों के साथ एक बैठक बुलाई थी।

मुख्यमंत्री केजरीवाल ...

चल रहा मामला लंबा खिंच सकता है। उन्हें एक ऐसे मामले में जमानत मिली है, जिसमें जमानत मिलने की संभावना नहीं थी। अब उन्होंने फैसला किया है कि वह दो दिन बाद अपने पद से इस्तीफा देंगे। वह तब तक मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नहीं बैठेंगे, जब तक जनता अपना फैसला नहीं सुना देती। उन्होंने कहा कि अगर आपको (जनता) लगता है कि मैं ईमानदार हूं, तो मुझे बड़ी संख्या में वोट दें। मैं अब चुने जाने के बाद ही मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठूंगा। चुनाव फरवरी में होने हैं। मेरी मांग है कि नवंबर में महाराष्ट्र चुनाव के साथ ही दिल्ली में चुनाव कराए जाएं। चुनाव होने तक पार्टी से कोई और मुख्यमंत्री रहेगा। अगले 2-3 दिनों में विधायकों की बैठक होगी, जिसमें अगला सीएम तय किया जाएगा। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने जेल जाने पर इस्तीफा इसलिए नहीं दिया क्योंकि वे जनतंत्र को बचाना चाहते थे। जेल से इस्तीफा देने पर विपक्ष के सभी मुख्यमंत्रियों को जेल में डाल कर सरकार गिरा देते। वे विपक्ष के सभी मुख्यमंत्रियों से विनती करते हैं कि अगर आपको जेल में डालें तो इस्तीफा मत देना क्योंकि हमने दिखाया है जेल से सरकार चल सकती है। केजरीवाल ने कहा कि भाजपा को लग रहा था कि उन्हें जेल भेजकर आम आदमी पार्टी तोड़ देंगे। विधायकों को तोड़कर दिल्ली और पंजाब में सरकार गिरा देंगे। इनकी साजिशों के खिलाफ आम आदमी पार्टी लड़ रही है।

जल्द लागू होगा ...

चुनाव के सपने को साकार करने के लिए आगे आना होगा। एक राष्ट्र, एक चुनाव लोकसभा चुनाव के लिए अपने घोषणापत्र में भाजपा की तरफ से किए गए प्रमुख वादों में से एक है। इस साल मार्च में पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द की अध्यक्षता वाले एक उच्च-स्तरीय पैनल ने पहले कदम के रूप में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने की सिफारिश की, जिसके बाद 100 दिनों के भीतर स्थानीय निकाय चुनाव कराने की सिफारिश की गई।

तूफान प्रभावित तीन ...

जिसमें जल शुद्धिकरण सामग्री, पानी के कंटेनर, कंबल, रसोई के बर्तन, सौर लालटेन शामिल हैं । वही लाओस के लिए 10 टन सहायता भेजी गई है जिसमें जेनसेट, जल शुद्धिकरण सामग्री, स्वच्छता सामग्री, मच्छरदानी, कंबल और स्लीपिंग बैग शामिल हैं। इन्हें भारतीय नौसेना और वायु सेवा की सहायता से इन देशों तक पहुंचा जा रहा है।

राजस्व के लिए असम...

महत्वपूर्ण हैं। एकेएमटीटीए ने असम में पंजीकृत पर्यटक वाहनों के शिलांग से आगे परिचालन पर प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर एक सप्ताह से *काले झंडे* के साथ विरोध प्रदर्शन किया है। शनिवार को संपन्न हुए इस विरोध प्रदर्शन में एसोसिएशन के सदस्यों ने अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों जैसे स्थानीय बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के प्रति सरकार की कथित अनिच्छा पर अपना असंतोष व्यक्त किया। एसोसिएशन ने आरोप लगाया कि सरकार स्थानीय बुनियादी ढांचे, जैसे अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों में निवेश करने में अनिच्छा दिखाती है, जिससे निवासियों पर अनुचित वित्तीय बोझ पड़ता है, जिन्हें आवश्यक सेवाओं के लिए गुवाहाटी की यात्रा करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। जुलाई में हिनीवट्रेप नेशनल यूथ फेडरेशन (एचएनवाईएफ) द्वारा असम में पंजीकृत पर्यटक टैक्सियों को रोके जाने की घटना से विवाद और बढ़ गया है। एचएनवाईएफ ने तर्क दिया कि सोहरा और दावकी जैसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों पर बाहरी वाहनों को परिचालन की अनुमति देने से स्थानीय ऑपरेटरों को वित्तीय नुकसान होता है। सरकार के साथ बातचीत करने के बार-बार प्रयासों के बावजूद, एकेएमटीटीए का दावा है कि उनकी चिंताओं के प्रति उदासीनता बरती गई है तथा कोई कार्रवाई नहीं की गई है। एसोसिएशन की आलोचना, पर्यटन क्षेत्र के प्रति सरकार की कथित उपेक्षा तथा पड़ोसी राज्यों पर उसकी निर्भरता के कारण स्थानीय हितधारकों में बढ़ते असंतोष को रेखांकित करती है।

राधिकापुर-सिलीगुड़ी डीएमयू ...

से धुंआ निकलते देख ट्रेन के ड्राइवर ने अचानक ब्रेक लगा दिया। डीएमयू ट्रेन में लगी आग से अफरातफरी मच गई। यात्री ट्रेन से कूदने लगे जिससे मौके पर लोगों की काफी भीड़ जुट गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि दूर से ही दिखाई दे रही हैं। आग लगने की सूचना रेल कर्मी ने स्थानीय पुलिस और अग्निशमन विभाग को दी। मौके पर फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची है और आग पर काबू पाने की कोशिश कर रही है। यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। समाचार लिखे जाने तक घटना में जान-माल की क्षति होने की सूचना नहीं है। ट्रेन किशनगंज से सिलीगुड़ी जा रही थी तभी इंजन से धुआं उठता देख इसकी सूचना यात्रियों ने रेल अधिकारी को दी। एसएसबी के जवान भी आग बुझाने की कोशिश में जुट गए। किशनगंज गौहाटी अप लाइन पर फिलहाल ट्रेनों का परिचालन पूरी तरह रुक गया है। इससे इस रूट के पैसेंजरों की परेशानी बढ़ गई है।

उपराष्ट्रपति ने 434 ...

सार हमारे संविधान में समाहित है। भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर का संविधान निर्माण में महान योगदान रहा है। भारत का संविधान हर तरह से अद्वितीय है और संविधान के सार को समझना आवश्यक है। वंचितों के विकास के लिए भारत रत्न डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर ने जीवन भर कड़ी मेहनत की। आरक्षण का आधार सामाजिक न्याय है और वंचितों को मुख्यधारा में लाने पर जोर दिया जाना चाहिए। नई पीढ़ी के लिए डॉ. अंबेडकर के योगदान को समझना जरूरी है और उस लिहाज से संविधान मंदिर पहल बहुत उपयोगी होगी। इसका सारा श्रेय हमारे संविधान को जाता है। भारतीय हमारी पहली पहचान है और हमें संविधान का सदैव सम्मान करना चाहिए। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि हमारे संविधान के निर्माता डॉ. बाबा साहब अंबेडकर ने 1904 से 1907 तक जहां पढ़ाई की थी, वहां खड़ा होने पर गर्व महसूस हो रहा है। एलफिंस्टन टेक्निकल हाई स्कूल देश में आज के कौशल विकास विभाग की नींव रखने वाला पहला स्कूल है। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि महाराष्ट्र में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में संविधान मंदिर स्थापित किये जा रहे हैं। सभी छात्रों को हमारे संविधान की रचना और उससे जुड़ी सभी जानकारियों को समझना चाहिए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का लक्ष्य शिक्षा प्रणाली को बदलना, कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए छात्रों को 21वीं सदी के लिए तैयार करना है।

हमें छुआछूत के ...

उत्तरदायी है। इस राष्ट्र का अच्छा होता है तो हिंदू समाज की कीर्ति बढ़ती है। इस राष्ट्र में कुछ गड़बड़ होता है तो हिंदू समाज पर आता है क्योंकि वही इस देश का कर्ताधर्ता है। संघ प्रमुख भागवत ने कहा कि राष्ट्र को परम वैभव संपन्न और सामर्थ्यवान बनाने का काम पुरुषार्थ के साथ करने की आवश्यकता है। हमें समर्थ बनना है। इसके लिए पूरे समाज को योग्य बनाना पड़ेगा। जिसे हम हिंदू धर्म कहते हैं, यह वास्तव में मानव धर्म है, विश्व धर्म है और यह सबके कल्याण की कामना लेकर चलता है। हिंदू मतलब विश्व का सबसे उदारतम मानव, जो सब कुछ स्वीकार करता है। सबके प्रति सद्भावना रखता है। पराक्रमी पूर्वजों का वंशज है। जो विद्या का उपयोग विवाद पैदा करने के लिए नहीं करता, ज्ञान देने के लिए करता है। धन का उपयोग मदमस्त होने के लिए नहीं करता, दान के लिए करता है। शक्ति का उपयोग दुर्बलों की रक्षा के लिए करता है। यह जिसका शील है, यह जिसकी संस्कृति है वह हिंदू है। पूजा किसी की भी करता हो। भाषा कोई भी बोलते हो। किसी भी जात-पात में जन्मा हो। किसी भी प्रांत का रहने वाला हो। कोई भी खान-पान रीति-रिवाज को मानता हो। यह मूल्य जिनके हैं, यह संस्कृति जिनकी है, वह सब हिंदू हैं। डॉ. भागवत ने कहा कि पहले संघ को कोई नहीं जानता था। अब सब जानते हैं। पहले संघ को कोई मानता नहीं था। आज सब लोग मानते हैं, जो हमारा विरोध करने वाले लोग हैं वह भी। हमारा होठों से तो विरोध करते हैं लेकिन मन से तो मानते ही हैं। इसलिए अब हमें हिंदू धर्म, हिंदू संस्कृति और हिंदू समाज का संरक्षण राष्ट्र की सर्वांगीण उन्नति के लिए करना है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए जो होना चाहिए, वह सब हमको करना है। छोटी बातों से प्रारंभ करना। पानी बचाओ, सिंगल प्लास्टिक हटाओ, पौधे लगाओ, घर को हरित घर बनाना, घर में हरियाली और सामाजिक रूप से भी अधिक से अधिक पेड़ लगाने का काम हमें करना है। सरसंघचालक डॉ. भागवत ने कहा कि भारत में भी परिवार के संस्कारों को खतरा है। मीडिया के दुरुपयोग से नई पीढ़ी बहुत तेजी से अपने संस्कार भूल रही है। इसलिए सप्ताह में एक बार निश्चित समय पर अपने कुटुंब के सब लोगों को एक साथ बैठना। अपनी श्रद्धा अनुसार घर में भजन पूजन करना, उसके बाद घर में बना हुआ भोजन साथ में करना। समाज के लिए भी कुछ ना कुछ करने की योजना करना। इसके लिए छोटे-छोटे संकल्प परिवार के सब लोग लें। अपने घर के अंदर भाषा, भूषा, भवन, भ्रमण और भोजन अपना होना चाहिए। इस तरह से कुटुंब प्रबोधन करना है। उन्होंने कहा कि अपने घर में स्वदेशी से लेकर स्व गौरव तक सारी बातें हैं, उनका प्रबोधन होना चाहिए। अपने देश में जो बनता है वह विदेश का नहीं खरीदना और यदि जीवन के लिए आवश्यक ही है तो अपनी शर्तों पर खरीदना। साथ ही अपने जीवन में मितव्ययिता को अपनाना होगा। समाज सेवा के कार्यों में समय लगाना। यह समाज पर उपकार नहीं है हमारा कर्तव्य है, ऐसा ध्यान रहना चाहिए। उन्होंने कि नागरिक अनुशासन हमारा होना चाहिए। हम इस देश के नागरिक हैं। हमें नागरिकता का बोध होना ही चाहिए। अलवर नगर के एकत्रीकरण में संघ दृष्टि से चार उपनगरों की 40 बस्तियों से 2842 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। एकत्रीकरण कार्यक्रम के बाद पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के निमित्त डॉ. भागवत भूरासिद्ध स्थित मातृ स्मृति वन में पहुंचे, जहां उन्होंने वृक्षारोपण किया। इस दौरान केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव, प्रदेश के वन मंत्री संजय शर्मा, संघ के अखिल भारतीय सह प्रचारक प्रमुख अरुण कुमार जैन, क्षेत्र संघचालक डॉ. रमेशचंद्र अग्रवाल, क्षेत्र प्रचारक निम्बाराम, क्षेत्र प्रचारक प्रमुख श्रीवर्द्धन, क्षेत्र कार्यवाह जसवंत खत्री, क्षेत्र सह कार्यवाह गेंदालाल और क्षेत्र प्रचार प्रमुख डॉ. महावीर कुमावत सहित कई गण्यमान्य उपस्थित रहे।

सुकमा में जादू-टोना ...

निवासी सवलम राजेश (21), सवलम हिड़मा, कारम सत्यम (35), कुंजाम मुकेश (28) और पोड़ियामि एंका को गिरफ्तार कर लिया है। इतनी बड़ी घटना की सूचना मिलने पर सुकमा एसपी भी अपने दल बल के साथ मौके पर पहुंच गए हैं। साथ ही कोन्टा एसडीएम शबाब खान भी मौके पर मौजूद हैं। फिलहाल पुलिस इस मामले में आवश्यक कार्रवाई में जुटी हुई है। इससे पहले छत्तीसगढ़ के बलोदाबजार जिले के कसडोल थाना क्षेत्र के छरछेद गांव में भी 12 सितंबर को इस तरह की एक सनसनीखेज वारदात हुई थी। यहां भी जादू टोने के शक में चार लोगों की हत्या कर दी गई थी।

घुसपैठ के चलते ...

घुसपैठियों से पूरा संथाल सहित कोल्हान एवं समस्त झारखंड परेशान है और बदले डेमोग्राफी से सभी का भविष्य चिंतित है। घुसपैठिये झारखंड के आदिवासियों एवं मूलवासियों के संसाधन जल, जंगल एवं जमीन को अपने कब्जे में ले रहा है फिर भी हाई कोर्ट के आदेश के बाद भी हेमंत सोरेन की सरकार वोट बैंक के लिए आंखों पर पट्टी बांध रखी है एवं संरक्षण देकर वोट के लिए झारखंड में बसा रही है। उन्होंने लोगों से पूछा कि इस बार कोल्हान की 14 में से कितनी सीटें मिलेंगी। भीड़ का जवाब मिला सभी 14 सीटें भाजपा जीतेगी।

पीएम ने बिहार को ...

शहरों में वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का तोहफा मिला है। प्रधानमंत्री ने भागलपुर-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस, गया-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस, टाटानगर-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस, देवघर-वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस, ब्रह्मपुर-टाटानगर वंदे भारत एक्सप्रेस एवं राउरकेला-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साथ ही प्रधानमंत्री ने 650 करोड़ रुपए से अधिक की रेल परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इसके तहत मधुपुर बाइपास रेल लाइन, चार रेल अंडर ब्रिज, कुरकुरा-कानारोवां डबलिंग एवं हजारीबाग टाउन कोचिंग डिपो जैसी रेल परियोजनाएं शामिल हैं। पीएम के पूर्व रेलवे से संबंधित परियोजनाओं के शिलान्यास एवं वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों के शुभारंभ कार्यक्रम की शुरुआत होने से पहले दानापुर मंडल के डीआरएम जयंत कुमार चौधरी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का अभिनंदन किया। कार्यक्रम के दौरान रेल परियोजनाओं पर आधारित एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**

गुवाहाटी के घने जंगल से युवती का शव बरामद

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के चंद्रपुर में जंगल से एक युवती का शव बरामद किया गया। घने जंगल के बीच स्थित जलाशय में रहस्यमय तरीके से युवती का शव देखा गया। मृतका की पहचान चंद्रपुर गांव की प्रतिभा देवी के रूप में हुई है। पीड़िता पिछले तीन दिनों से लापता थी। पुलिस ने आज बताया कि युवती के घर से कुछ ही दूरी पर जंगल के एक तालाब में शव था। इस बात की आशंका जताई जा रही है कि युवती की हत्या कर उसे घटनास्थल पर फेंका गया होगा या फिर उसने आत्महत्या की होगी। गुवाहाटी में अपराध लगातार बढ़ रहा है। सितंबर में गुवाहाटी में 12 से ज़्यादा आपराधिक घटनाएं हुईं हैं।

काजी का पद समाप्त नहीं करे सरकार : मुस्लिम कल्याण परिषद

शिवसागर (हिंस)। सरकारी काजियों के पदों को समाप्त करने की असम सरकार की घोषणा के संबंध में शिवसागर प्रेस क्लब में सरकारी काजियों के साथ ऊपरी असम मुस्लिम कल्याण परिषद का एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया। विचारों के आदान-प्रदान के तुरंत बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए, ऊपरी असम मुस्लिम कल्याण परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष मोनिरुल इस्लाम बोरा ने सरकार से आधिकारिक काजी पद को समाप्त नहीं करने का आग्रह किया। इस्लामी समाज में काजी पद का विशेष दर्जा है। यह एक सम्मानजनक पद है। इसलिए संगठन ने सरकार से अपील की है कि इस पद को खत्म न किया जाए।

सोनापुर में एआईयूडीएफ और कांग्रेस नेताओं का फूंका पुतला

गुवाहाटी (हिंस)। सोनापुर में कचुतली के प्रवेश द्वार पर कांग्रेस-एआईयूडीएफ नेताओं का पुतला फूंका गया। इस दौरान एआईयूडीएफ प्रमुख बदरुद्दीन अजमल, विधायक अमीनुल इस्लाम, रफीकुल इस्लाम और रेजाउल करीम सरकार का पुतला जलाया गया। पिछले कुछ दिनों से डिमोरिया में विभिन्न दलों और संगठनों द्वारा सोनापुर के कचुतली में आदिवासी बेल्ट की जमीन से लोगों को बेदखल किए जाने के बाद एआईयूडीएफ और कांग्रेस नेताओं ने अतिक्रमणकारियों के समर्थन में टिप्पणी की थी। प्रदर्शनकारियों ने कांग्रेस और एआईयूडीएफ नेतृत्व से असम के स्वदेशी लोगों के पक्ष में रहने और कोई भड़काऊ टिप्पणी नहीं करने का आह्वान किया। सोनापुर राजस्व सर्किल अधिकारी द्वारा बेदखली नोटिस जारी किए जाने के बाद कचुतली के निवासियों ने भी बेदखली नोटिस जारी कर दिया है। उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन ने इलाके में रहने वाले अवैध नागरिकों को तीन दिनों के अंदर क्षेत्र छोड़ने का अल्टीमेटम दिया था। जिसका असर आज देखा गया। काफी संख्या में अवैध नागरिक अपना सामान लेकर इलाका छोड़ते देखे गए। ज्ञात हो कि 12 सितंबर को अवैध रूप से इलाके में रहने वाले बड़ी संख्या में लोगों ने अतिक्रमण हटाने गए जिला प्रशासन और पुलिस कर्मियों पर धारदार हथियार, लाठी, डंडे से हमला कर दिया था, जिसमें 22 से अधिक प्रशासन और पुलिस प्रशासन के कर्मी घायल हुए थे, जबकि 13 स्थानीय लोग घायल हुए थे। वहीं दो लोगों की पुलिसिया कार्रवाई में मौत हो गई थी।

कांग्रेस खिलंजिया के पक्ष में : भूपेन बोरा

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने कहा है कि कांग्रेस पार्टी खिलंजिया (स्थानीय लोगों) के पक्ष में है। उन्होंने आज कहा कि मुख्यमंत्री ने बीते कल सवाल किया था कि कांग्रेस किसके पक्ष में है? कांग्रेस पूरी तरह से खिलंजिया के पक्ष में है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा की गोरूखुटी में बेदखली अभियान मुख्यमंत्री के निर्देश पर चलाने की बात स्वयं डॉ. शर्मा ने स्वीकार की थी। लेकिन, वहां से बेदखल किए गए लोगों को पुनर्सस्थापित करना पड़ा। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि असम विधानसभा में असम सरकार ने जो आंकड़े प्रस्तुत किए हैं, उसके अनुसार अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मिजोरम, मणिपुर, आदि राज्यों ने असम के बड़े भू-भाग पर कब जाकर रखा है। भाजपा की डबल इंजन सरकार चल रही है। केंद्र सरकार में भाजपा का 10 वर्ष पूरा हो चुका है। असम में भी आठ वर्ष भाजपा का शासन रह चुका है। स्वयं मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा नेडा के संयोजक हैं। फिर भी इन राज्यों से असम की भूमि वापस लेने की कोई प्रक्रिया नहीं शुरू की गई। उन्होंने कहा कि नागरिकता संशोधन कानून असम के खिलंजिया लोगों के विरुद्ध है, जिसे भाजपा सरकार लेकर आयी। इसका विरोध करने वाले दो खिलंजिया लोगों की हत्या सरकार ने पुलिस लगवा कर कराई। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा किसी के पक्ष में नहीं हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष आज यहां मीडिया के सवालों का जवाब दे रहे थे।

बरपेटा रोड में भारी मात्रा में गांजा बरामद

बरपेटा (हिंस)। बरपेटा रोड में रेलवे पुलिस ने भारी मात्रा में गांजा बरामद किया। बरपेटा रोड शहर के रायपारा में रेलवे लाइन के बगल से उक्त गांजा को बरामद किया गया। स्थानीय लोगों ने गांजे को देखा और रेलवे पुलिस को सूचित किया। गांजा तीन बड़े बैगों में पैक किए गए थे। बाद में रेलवे पुलिस पहुंची और गांजे से भरे तीनों बैगों को जब्त किया। संदेह है कि किसी गांजा कारोबारी ने ट्रेन के डिब्बे से गांजे से भरे तीनों बैग फेंक दिए होंगे। अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि रेलवे पुलिस की आंखों में धूल झोंकने के लिए ट्रेन के डिब्बे से गांजे से भरे बैगों को बाहर उतारा गया था या पुलिस से बचने के लिए तीनों बैग गलत जगह फेंके गए थे। रेलवे ट्रैक के किनारे लावारिस हालत में तीनों बैग मिले।

जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल ने किया मां कामाख्या का दर्शन

गुवाहाटी (हिंस)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिंह ने आज कामाख्या मंदिर का दौरा किया। कामाख्या देवालय के दोलोई हिमाद्री शर्मा और मंदिर प्रबंधन समिति के सचिव ज्ञान नाथ शर्मा ने फूलाम गामोछा और कामाख्या मंदिर के स्मारक चिह्न के साथ उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। उपराज्यपाल ने बताया कि वह पहले भी कई बार मां कामाख्या मंदिर और देवी के दर्शन कर चुके हैं। वे हर बार एक दिव्य और आध्यात्मिक भावना का अनुभव कर चुके हैं। एक दिवसीय दौरे पर आज दोपहर गुवाहाटी पहुंचे जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल सीधे विश्व प्रसिद्ध शक्तिपीठ कामाख्या मंदिर गए और पूजा-अर्चना की।

नागरिकों को त्वरित सेवा प्रदान करना हमारी पहली प्राथमिकता : प्रमोद बोड़ो

विकसित भारत समाचार

कोकराझाड़। बीटीसी सीईएम प्रमोद बोड़ो ने नागरिकों को सेवाओं के त्वरित वितरण को प्राथमिकता देने के लिए प्रशासन की प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। बोड़ो ने कहा कि हमारा प्राथमिक ध्यान बीटीआर के लोगों की चिंताओं को दूर करना और एक प्रगतिशील क्षेत्र के लिए उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए अथक प्रयास करना है। हाल ही में सालबाड़ी और धनश्री निर्वाचन क्षेत्र में आयोजित जनता दरबार सत्रों के दौरान, सीईएम प्रमोद बोड़ो ने बीटीसी प्रशासन और जनता के बीच संबंधों को मजबूत करने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि निकट संबंधों को बढ़ावा देने और जनता की जरूरतों को बेहतर ढंग से संबोधित करने के लिए, मैं नियमित रूप से बीटीआर में जनता दरबार कार्यक्रमों में स्थानीय विधायकों, बीटीसी कार्यकारी सदस्यों, एमसीएलए और अन्य विभागीय अधिकारियों के साथ भाग लेता हूं। इस दृष्टिकोण ने जनता की संतुष्टि में उल्लेखनीय वृद्धि की है। 14 सितंबर को, जनतार दरबार पहल के हिस्से के रूप में, सीईएम बोड़ो ने व्यक्तिगत रूप से सालबारी में आदिवासी विश्राम गृह और धनश्री निर्वाचन क्षेत्र के तहत धर्मशाला विकास समिति कार्यालय में विभिन्न समूहों, संगठनों और निवासियों के साथ बातचीत की। सीईएम को बीटीसी ईएम डॉ. निलुट स्वर्गियारी द्वारा सहायता प्रदान की गई। इन आमने-सामने की बातचीत के दौरान, उन्होंने जनता के अनुरोधों, शिकायतों और मांगों को ध्यान से सुना और संबंधित अधिकारियों द्वारा तत्काल कार्रवाई के लिए निर्देश जारी किए। एक अधिक प्रगतिशील बीटीसी के निर्माण के उद्देश्य से इस सक्रिय पहल ने जनता के बीच काफी उत्साह पैदा किया है, जिसमें कई लोगों ने बीटीसी क्षेत्रों में नियमित रूप से इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित करने का आह्वान किया है।

राज्यभर के साथ रंगिया में आयोजित एडीआरई 2024 भर्ती परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न

रंगिया (विभास)। एडिआरई 2024 रंगिया में शांतिपूर्वक आयोजित किया गया। परीक्षा कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हुवी। उल्लेखनीय है कि एडीआरई की लिखित परीक्षा आज रंगिया में पूरे प्रदेश के समानांतर कई परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई। सुरक्षा पहले ही कड़ी कर दी गई। पुलिस-अर्द्धसैनिक बल पूरी तरह से तैयार थे। रंगिया बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परीक्षा केंद्र के अलावा रंगिया के विभिन्न परीक्षा केंद्र के लिये पुलिस थाने के नगर उपनिरीक्षक विष्णुज्योति बोरा ने कहा कि प्रशासन यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह तैयार है कि परीक्षा सुचारू रूप से आयोजित की जाए। वही स्थानीय विधायक व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता ने एडीआरई प्रत्याशियों को बधाई दी थी। गौरतलब है कि भले ही सरकार ने परीक्षा पूर्व संध्या इंटरनेट कट को लेकर एसओपी दिया था लेकिन आज सुबह अधिकांश मोबाइल इंटरनेट सुबह करीब 8:40 बजे से डेढ़ बजे तक नदारद देखे गए। वही परीक्षा के दौरान परीक्षार्थियो के आवागमन के समय शहर में यातायात व्यवस्था चरमराती नजर आयी। हालांकि एडिआरई 2024 शांतिपूर्ण संपन्न हुई।

डिब्रूगढ़ थाने में सुमी बोरा का तीसरा दिन, लॉकअप में पूछताछ जारी

डिब्रूगढ़ (हिंस)। ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाले में आरोपित रील हिरोइन सुमी बोरा का डिब्रूगढ़ थाना के लॉकअप में आज तीसरा दिन है। पुलिस की पूछताछ तीसरे दिन भी जारी है। उनके बयान का वीडियो रिकॉर्डिंग किया जा रहा है। पुलिस को सुमी बोरा ने बताया कि उसकी 76 लाख रुपए कीमत वाली हीरे की अंगूठी खो गई है। अंगूठी मुंबई से ली गई थी। सुमी के मुताबिक विशाल फूकन ने ही यह अंगूठी दी थी। सुमी नहीं चाहती थी, लेकिन विशाल ने भाई के नाते अपनी मुंहबोली बहन सुमी को अंगूठी दी थी। इसी बीच, डिब्रूगढ़ के कई डॉक्टरों से जांच अधिकारी ने विशाल के कारोबार में उनके निवेश के बारे में पूछताछ की है। पूछताछ अभी भी जारी है।

रविंद्रनाथ टैगोर विवि में आयोजित हिंदी सप्ताह का सफल समापन

होजाई (विभास)। हिंदी किसी की मोहताज नहीं, वह अपने आप में राष्ट्रभाषा है। यह बात रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के भारत तीर्थ सभागार में आयोजित हिंदी सप्ताह के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जानेमाने गीतकार, साहित्यकार व लेखक वीरकंडे प्रसाद ने कही। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि हिंदी का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के लिए हमें क्षेत्रीय भाषाओं की रचनाओं का हिंदी में अनुवाद कर उसका प्रसार करना चाहिए, जिससे हिंदी भाषियों व गैर हिंदी भाषियों में एक समन्वय का सूत्र व एक दूसरे के प्रति सम्मान की भावना स्थापित हो। प्रसाद ने आगे कहा कि हिंदी को राष्ट्रभाषा का दर्जा प्राप्त नहीं हुआ, इसके लिए कुछ लोग पंडित जवाहरलाल नेहरू को जिम्मेदार ठहराते हैं। परंतु इसमें उनकी कोई गलती नहीं थी। पं. नेहरू ने अपने कार्यकाल में 15 वर्ष की अवधि निर्धारित की थी कि 15 वर्षों के बाद जब समय परिस्थिति अनुकूल होगी तब हिंदी को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिया जाएगा। इसी कड़ी में त्रिभाषा सूत्र लागू किया गया। पर हिंदी भाषी राज्य के निवासियों ने हिंदी और अंग्रेजी को तो अपनाया पर किसी भी क्षेत्रीय भाषा को सीखने में रूचि नहीं दिखाई। जिसके परिणाम स्वरुप गैर हिंदी राज्यों में हिंदी का विरोध हुआ। इसके अलावा राजनीतिक इच्छा शक्ति की कमी के चलते भी आज तक हिंदी को राष्ट्रभाषा का दर्जा नहीं मिला। किंतु हिंदी भाषा ही हमारे देश को एक सूत्र में पिरो कर रखे हुए है। हमें इस पर गर्व करना चाहिए। उन्होंने आगे अपने जीवन यात्रा के अनुभवों को सबके साथ साझा किया व अपनी चुनिंदा गीतों को मंच पर गाकर लोगों को अपनी ओर आकर्षित किया। इस उपलक्ष पर विश्वविद्यालय के डिन प्रोफेसर कौशिक चंदा ने कहा हिंदी हमारी धरोहर और हमारी पहचान है इसको आगे बढ़ाने हेतु हम सबको मिलकर काम करना होगा ताकि हिंदी और समृद्ध हो। सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित होजाई बालिका महाविद्यालय के हिंदी विभाग के अध्यक्ष काशीनाथ चौहान ने कहा जब तक हिंदी भाषी लोग हिंदी पर गर्व नहीं करेंगे उसे अपनाएंगे नहीं तब तक हिंदी समृद्ध नहीं होगी। उन्होंने कहा कि जब तक हम अपने बच्चों को हिंदी स्कूलों में नहीं पढ़ाएंगे तब तक हिंदी आगे नहीं बढ़ेगी। वरिष्ठ पत्रकार व समाजसेवी रमेश मूंदड़ा ने कहा जब हम हिंदी के साथ-साथ सभी क्षेत्रीय भाषाओं को सम्मान करेंगे तब स्वत ही हिंदी आगे बढ़ेगी। उन्होंने बताया हिंदी के क्षेत्र में रोजगार के कई अवसर मौजूद है। हमें हिन्दी पर गर्व करना चाहिए क्योंकि यह हमारे देश की एकता और अखंडता की पहचान है। कार्यक्रम में रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार स्वामी ने हिंदी के प्रचार-प्रसार पर जोर देते हुए हिंदी दिवस के औचित्य और प्रासंगिकता पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा हिंदी हमारी संवेदना की भाषा है। हिंदी के बिना भारत और भारतीयता अधूरी है। इस अधूरेपन को दूर करने के लिए हमें हिंदी में जीना होगा। उन्होंने आगे बताया कि हिंदी विभाग द्वारा 9 सितंबर से 14 सितंबर तक हिंदी सप्ताह का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। उन्होंने इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी को धन्यवाद भी दिया। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी हुआ। जिसमें मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा संस्कृत से निकली भारतीय भाषाओं एवं उपभाषाओं का मंचन व संस्कृत द्वारा अपनी पुत्रियों को प्रेषित एक खुला पत्र। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर, राष्ट्रीय गान के परिवेशन के साथ हुआ। कार्यक्रम के उद्देश्य की व्याख्या विभाग के अध्यापक डॉ. संतोष कुमार गुप्ता ने अत्यंत सुंदर ढंग से की। हिंदी विभाग के अध्यापक डॉ. नागेश्वर यादव ने बड़े आकर्षक अंदाज में कार्यक्रम का संचालन किया। वहीं सप्ताह व्यापी कार्यक्रमों के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण भी किया गया। अंत में अध्यापिका डॉ. संगीता पासी ने धन्यवाद ज्ञापन किया और कार्यक्रम का समापन असम के जातीय संगीत *ओ मूर अपूनार देश* के परिवेशन के साथ हुआ।

गोरेश्वर में ग्राम रक्षक बल के सचिव पर जानलेवा हमला

तामुलपुर (हिंस)। गोरेश्वर के महरीपाड़ा में ग्राम रक्षक बल के सचिव पर जानलेवा हमला किया गया। पांच सदस्यीय हमलावरों के एक समूह ने करुणा कलिता नामक व्यक्ति को मारने की कोशिश की। समूह ने एक अन्य व्यक्ति पर भी हमला किया, जो महारीपाड़ा ग्राम रक्षक बल की सचिव करुणा कलिता को हमला करने से रोकने गया था। यह हमला महरीपाड़ा चौक मार्केट में हुआ। पुलिस ने आज बताया कि महरीपाड़ा में गोरेश्वर पुलिस की निगरानी चौकी के पास हुई इस घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी है। गोरेश्वर थाने की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और गंभीर रूप से घायल करुणा कलिता नामक व्यक्ति को बेहतर इलाज के लिए गुवाहाटी भेज दिया।

नवनिर्मित श्रीश्री विश्वकर्मा मंदिर का उद्घाटन व स्वर्ण जयंती महोत्सव का शुभारंभ

रंगिया (विभास)। रंगिया के तिनाली में नवनिर्मित श्री श्री विश्वकर्मा मंदिर का उद्घाटन एवं स्वर्ण जयंती महोत्सव के तीन दिवसीय कार्यक्रम का रविवार को शुभारंभ किया गया। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम के अंतर्गत स्वर्ण जयंती समारोह का मुख्य ध्वज प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं रंगिया के विधायक तथा आयोजन समिति के अध्यक्ष भवेश कलिता ने सुबह आठ बजे फहराया। इसके पश्चात स्वर्ण जयंती का ध्वज आयोजन समिति के कार्यवाहक अध्यक्ष द्वारा गणमान्य लोगों की उपस्थिति में पहराया गया। वहीं सुबह 9.30 बजे मंदिर प्रांगण से धर्मीय कलश यात्रा निकाली गई जिसमें सैकड़ों महिलाओ सहित भारी संख्या में भक्त शामिल रहे। कलश यात्रा नवनिर्मित विश्वकर्मा मंदिर से प्रारंभ होकर रंगिया बेसरकारी बस स्टैंड से होते हुए शिव मंदिर घाट से जल उठा कर पुन: विश्वकर्मा मंदिर पर आकर समाप्त हुई। कार्यक्रम के अन्तर्गत दोपहर चित्रांकन प्रतियोगिता और संध्या 6 बजे स्मृति ग्रंथ का उन्मोचन और संध्या 6.30 बजे नगाड़ा नाम प्रदर्शन किया गया। मालुम हो कि रंगिया के नवनिर्मित श्री श्री विश्वकर्मा मंदिर के उद्घाटन और श्री श्री विश्वकर्मा पूजा का स्वर्ण जयंती महोत्सव आज से तीन दिनों तक आयोजित किया जाएगा।

लोक देवता बाबा रामदेव जी का भादव दशमी महोत्सव संपन्न

नगांव (निसं)। कलयुग अवतारी रुणिचे नाथ लोक देवता श्री श्री बाबा रामदेव जी महाराज का भादव दशमी महोत्सव शुक्रवार को हैबरगांव के शनि मंदिर रोड स्थित श्री हनुमान जन्मोत्सव समिति भवन में श्री श्री बाबा रामदेव भक्त संगम के तत्वावधान में भक्ति भाव से आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत श्री श्री बाबा रामदेव जी महाराज के साथ श्री गणेश जी एवं श्री हनुमान जी के चित्रो को भव्य मंडप में स्थापित कर दरबार को फुलो का श्रृंगार कर सजाया गया। जगदीश प्रसाद धूत द्वारा सपत्नीक पूजा अर्चना कर ज्योत प्रज्ज्वलित की गई और बाबा को सवामनी का भोग लगाया गया। महोत्सव में संदीप खाटुवाला (रोहा) ने भी पूजा-अर्चना कर सवामणि का भोग लगाया गया। दोनों भक्तों द्वारा सवामणी भोग अर्पण के बाद भोग का वितरण किया गया। श्री बाबा रामदेव जी एवं श्री हनुमान जी की आरती के पश्चात भजनों का कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जिसमें आयोजन समिति के अध्यक्ष अजित माहेश्वरी व पवन झंवर ने श्री गणेश वंदना प्रस्तुत कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उदीयमान गायिका गुनगुन बोरा ने भी भजन प्रस्तुत किए। तत्पश्चात कोटा (राजस्थान) से आमंत्रित कलाकार राजेंद्र पारीक एवं रोहित पारीक ने श्री बाबा रामदेव जी महाराज के भजनों की प्रस्तुति देते हुए बाबा के गुणो का बखान किया। दोनों कलाकारों का असमिया संस्कृति के अनुरुप फुलाम गमोछा, जापी, दुपट्टा व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। खम्मा खम्मा हो राम रुणिचा रा धनिया जैसे भजनों पर लोग थिरकने लगे। एक से बढ़कर भजनों की प्रस्तुति से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। मध्यरात्रि तक ज्योति लेने वालें भक्तो ने कतारबद्ध होकर ज्योति में आहुति प्रदान कर श्रद्धा-भाव से प्रभु के चरणो में मत्था टेका। श्री श्री बाबा रामदेव भक्त संगम के अध्यक्ष व पत्रकार अजित माहेश्वरी द्वारा मंच संचालन किया गया। इस अवसर पर नगांव मारवाड़ी पंचायत के सचिव रतन कुमार जाजोदिया, मारवाड़ी सम्मेलन नगांव के सचिव अजय मित्तल सहित काफी संख्या में श्रद्धालु भक्त उपस्थित थे। इस अवसर पर उपस्थित पत्रकारों का भी फुलाम गमछा पहनकर अभिनंदन किया गया जिसमे रविंद्र साह, विकास शर्मा, वेद व्रत राजा, भास्कर ज्योति सइकिया शामिल थे। ज्ञातव्य हो कि श्री श्री बाबा रामदेव भक्त संगम द्वारा यह दशमी महोत्सव विगत कई वर्षों से भादव शुक्ल दशमी को मनाया जाता है। कार्यक्रम के दौरान प्रसाद रूपी भंडारे का भी आयोजन किया गया। जिसमें काफी संख्या में भक्तो ने श्रद्धा से प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के दौरान नि: संतान दम्पति हेतु पालना झूलाने की भी व्यवस्था की गई थी। जिसमें दम्पति जोड़ों ने पूजा-अर्चना कर संतान प्राप्ति की कामना की। बाबा की दिव्य तांती (रक्षा कवच) का भी वितरण कार्यक्रम के दौरान किया गया। अंत में महा आरती के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में उपाध्यक्ष जगदीश धूत, सचिव विनोद गुजरानी, संजय रातुसरिया, विकास अग्रवाल (छापरमुख) संदीप खाटुवाला (रोहा), लीलाधर कोठारी, सूरज अग्रवाल, पवन झंवर, सूरेश शर्मा(सूर्या), महेश भजनका, मनीष माहेश्वरी, स्वेता भजनका सहित सभी सदस्यों का उल्लेखनीय योगदान रहा। कार्यक्रम के समापन पर अध्यक्ष अजित माहेश्वरी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया।

संपादकीय

जिद बड़ी या जिंदगी!

कोलकाता में डॉक्टर अब भी काम पर नहीं लौटे हैं। बंगाल सरकार ने संवाद और समझौते का जो प्रयास किया था, वह आंदोलनकारी डॉक्टरों की जिद ने नाकाम कर दिया। एक नाटकीय घटनाक्रम जरूर सामने आया है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने, हाथ जोड़ कर, बंगाल की जनता से माफी मांगी है। यदि जनता चाहेगी, तो वह मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा तक देने को तैयार हैं। उन्होंने कहा है कि वह 'कुर्सी की भूखी' नहीं हैं, बल्कि न्याय की पक्षधर हैं। हालांकि रेप-मर्डर की शिकार डॉक्टर बिटिया के माता-पिता और आंदोलनकारी डॉक्टरों ने कभी भी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग नहीं की। इसे विपक्षियों ने मुद्दा बनाकर राजनीति करने की कोशिशें की हैं। डॉक्टरों का न्याय अलग किस्म का है, ताकि डॉक्टर बिटिया की आत्मा को सुख, शांति मिल सके। डॉक्टर मुख्यमंत्री से संवाद करने सचिवालय गए थे। उनकी संख्या 32 बताई गई है, जबकि सरकार ने 15 डॉक्टरों को ही, प्रतिनिधि के तौर पर, आमंत्रित किया था। बहरहाल बंगाल सरकार ने उस संख्या को भी अनुमति दे दी। राज्य के मुख्य सचिव मनोज पंत और पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार डॉक्टरों को समझाते रहे कि विरोध-प्रदर्शन का यह सिलसिला टूटना क्यों जरूरी है? बातचीत का सीधा प्रसारण संभव नहीं है। अलबत्ता संवाद की रिकॉर्डिंग जरूर कराई जाएगी, लेकिन आक्रोशित डॉक्टर लगातार यह सवाल करते रहे कि सीधे प्रसारण से सरकार डरती क्यों है? डॉक्टर 'नबन्ना' सचिवालय के गलियारे तक तो पहुंच गए, लेकिन उस कक्ष के भीतर नहीं गए, जहां मुख्यमंत्री ममता बनर्जी 2.10 घंटे से आंदोलनकारी डॉक्टरों की प्रतीक्षा कर रही थीं। नतीजतन संवाद का जो सेतु बनाया गया था, वह ढह गया। डॉक्टर लौट गए और धरना-स्थल पर जाकर बैठ गए। मुख्यमंत्री ने इस्तीफे तक की पेशकश की और बंगाल की जनता से माफी मांगी कि वह डॉक्टरों को ड्यूटी पर वापस लाने में नाकाम रहीं। यह ममता बनर्जी की 'भावुक राजनीति' भी हो सकती है, ताकि अधिकतर लोग उनसे नाराज न हों और समर्थन समाप्त करने पर आमादा न हो जाएं! बंगाल के अलग-अलग हिस्सों में विपक्षी दल आक्रामक होकर विरोध-प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री का इस्तीफा मांग रहे हैं। डॉक्टर तो आंदोलित हैं ही, लेकिन उनके समर्थन में विभिन्न सामाजिक आंदोलन भी छिड़ गए हैं, लिहाजा राज्य में अराजकता की स्थिति है। सडक़ों पर भीड़ है, तो पुलिसकर्मी भी हैं। अदालतों में अलग केस चल रहे हैं। ममता की यह राजनीति आजमाई हुई है। बहरहाल डॉक्टरों का आंदोलन अब एक जिद का रूप धारण कर चुका है। सर्वोच्च अदालत ने उन्हें काम पर लौटने का समय दिया था, वह गुजर चुका है। शीर्ष अदालत डॉक्टरों के सरोकारों की लड़ाई लड़ रही है, लेकिन आंदोलनकारियों को भरोसा ही नहीं है। यह जिद ही नहीं, अवमानना भी है। डॉक्टर जिंदगी के साथ खिलवाड़ करने लगे हैं, क्योंकि आरजी कर अस्पताल में इलाज न मिलने से अभी तक 27 लोगों की अकाल मौत हो चुकी है और 7 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं। यकीनन डॉक्टर बिटिया के प्रसंग पर पूरा देश गुस्से में रहा है, क्षुब्ध रहा है, असंख्य विरोध-प्रदर्शन भी किए गए हैं। डॉक्टरों के साथ सहानुभूति है, संवेदना है, क्योंकि बिटिया चिकित्सकों की सुरक्षा वाकई चिंतित सरोकार है, लेकिन काम छोड़ कर आंदोलन ही जारी रखना या जुलूस निकालना अथवा डॉक्टर होकर धरने पर खाली बैठे रहना, दरअसल अपनी पेशेवर प्रतिबद्धता से मुंह मोडऩा है। डॉक्टर लोगों की बीमारियों के इलाज करते हुए भी विरोध जता सकते हैं। विरोध जताने के कई प्रतीक होते हैं। डॉक्टर बाजू पर काली पट्टी बांध कर भी, काम करते हुए, अपना विरोध जता सकते हैं। हालांकि सर्वोच्च अदालत आंदोलनकारी डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई करने की अनुमति सरकार को दे चुकी है, लेकिन बंगाल सरकार अब भी विनम्र है, क्योंकि सरकार को कई तरह के विरोध बर्दाश्त भी करने पड़ते हैं। आंदोलन के 33 दिन बीत चुके हैं। सीबीआई ने कुछ महत्वपूर्ण गिरफ्तारियां भी की हैं। जांच के निष्कर्षों तक भी पहुंच रही है। ऐसे इंसाफ चुटकी बजा कर नहीं दिए जा सकते। कानून और अदालत की अपनी प्रक्रिया है।

> बंगाल सरकार ने संवाद और समझौते का जो प्रयास किया था, वह आंदोलनकारी डॉक्टरों की जिद ने नाकाम कर दिया। एक नाटकीय घटनाक्रम जरूर सामने आया है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने, हाथ जोड़ कर, बंगाल की जनता से माफी मांगी है। यदि जनता चाहेगी, तो वह मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा तक देने को तैयार हैं। उन्होंने कहा है कि वह 'कुर्सी की भूखी' नहीं हैं, बल्कि न्याय की पक्षधर हैं। हालांकि रेप-मर्डर की शिकार डॉक्टर बिटिया के माता-पिता और आंदोलनकारी डॉक्टरों ने कभी भी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग नहीं की। इसे विपक्षियों ने मुद्दा बनाकर राजनीति करने की कोशिशें की हैं। डॉक्टरों का न्याय अलग किस्म का है, ताकि डॉक्टर बिटिया की आत्मा को सुख, शांति मिल सके। डॉक्टर मुख्यमंत्री से संवाद करने सचिवालय गए थे। उनकी संख्या 32 बताई गई है, जबकि सरकार ने 15 डॉक्टरों को ही, प्रतिनिधि के तौर पर, आमंत्रित किया था।

भारतीय वायुसेना और विदेशी विमान आसमान में अपना कौशल दिखाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर रहे हैं

'तरंग शक्ति': गरज रहा भारत का आसमान

योगेश कुमार गोयल

> भारतीय वायुसेना की मेजबानी में जोधपुर में शुरू हुए सबसे बड़े बहुपक्षीय वायु अभ्यास 'तरंग शक्ति' का दूसरा चरण 14 सितंबर तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें भारत के अलावा सात देशों के विमान एक साथ युद्धाभ्यास में हिस्सा ले रहे हैं, जिनमें अमेरिका, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, जापान, सिंगापुर, ग्रीस और यूएई की वायुसेना टीम शामिल हैं। 'तरंग शक्ति' वायु अभ्सास का उद्देश्य विभिन्न देशों की वायु सेनाओं के बीच अंतर-संचालन क्षमता में सुधार करना, आधुनिक युद्ध में सामूहिक सुरक्षा और परिचालन प्रभावशीलता को बढ़ाना है।

भारत की निरंतर बढ़ती रक्षा क्षमताओं को वैश्विक स्तर पर उजागर करने तथा विविध भागीदारी अंतर्राष्ट्रीय रक्षा संबंधों को मजबूत करने में अभ्यास के महत्व को रेखांकित करने के लिए इन दिनों जोधपुर में बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास 'तरंग शक्ति' का आयोजन चल रहा है, जो भारत की रक्षा कूटनीति और सैन्य सहयोग में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। भारतीय वायुसेना की मेजबानी में जोधपुर में शुरू हुए सबसे बड़े बहुपक्षीय वायु अभ्यास 'तरंग शक्ति' का दूसरा चरण 14 सितंबर तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें भारत के अलावा सात देशों के विमान एक साथ युद्धाभ्यास में हिस्सा ले रहे हैं, जिनमें अमेरिका, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, जापान, सिंगापुर, ग्रीस और यूएई की वायुसेना टीम शामिल हैं। 'तरंग शक्ति' वायु अभ्सास का उद्देश्य विभिन्न देशों की वायु सेनाओं के बीच अंतर-संचालन क्षमता में सुधार करना, आधुनिक युद्ध में सामूहिक सुरक्षा और परिचालन प्रभावशीलता को बढ़ाना है। इस 'वॉर एक्सरसाइज' में भारतीय वायुसेना और विदेशी विमान आसमान में अपना कौशल दिखाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर रहे हैं। जोधपुर के आसमान में जब भारत की 'सूर्य किरण टीम' ने 9 हॉक्स विमानों के जरिये जोधपुर के आसमान में 'तिरंगा' बनाते हुए विलक्षण करतब दिखाए तो हर कोई दांतों तले उंगली दबाये उसे निहारता ही रह गया।

'तरंग शक्ति' के दौरान 9 सितंबर को तो जोधपुर में भारत की तीनों सेनाओं ने उस समय इतिहास रच दिया, जब पहली बार जल, थल और वायु सेना के उप-प्रमुखों ने स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस में उड़ान भरी। यह पहला अवसर था, जब आर्मी के वाइस चीफ लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि, एयरफोर्स के वाइस चीफ एयर मार्शल एपी सिंह और नौसेना के वाइस चीफ कृष्णा स्वामीनाथन ने 'तेजस' में उड़ान भरी और भारत के तीनों वाइस चीफ की ये उड़ान भारत के लिए रणनीतिक तौर पर अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। तरंग शक्ति में भारतीय वायुसेना के राफेल, सुखोई, मिराज, जगुआर और तेजस विमान पूरी दुनिया को अपना जलवा दिखा रहे हैं, वहीं अमेरिका के ए-10 थंडरबोल्ट, ग्रीक के एफ-16 फाइटिंग फाल्कन, ऑस्ट्रेलिया के एफ ए-18 हॉरनेट, जापान के मित्सुबिशी एफ-2 सहित अन्य देशों की एफ-16 विमान के साथ आई टीमें साथ मिलकर एयर-टू-एयर तथा एयर-टू-ग्राउंड ऑपरेशन में अपनी-अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन कर रहे हैं। 'तरंग शक्ति' के पहले और दूसरे चरण में कुल 800 सैनिक शामिल हो रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया की रायल ऑस्ट्रेलियन एयरफोर्स ने भारतीय वायुसेना के 'तरंग शक्ति' अभ्यास के दूसरे चरण में हिस्सा लेने के लिए पहली बार अपने लड़ाकू विमानों को भारत भेजा है। 12 सितंबर से तरंग शक्ति में 'डिफेंस एक्सपो' शुरू होगा. जिसमें स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस, लड़ाकू हेलीकॉप्टर प्रचंड और लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर ध्रुव शामिल है, साथ ही अन्य हथियारों का भी प्रदर्शन किया जाएगा।

'तरंग शक्ति' का आयोजन पहले 2023 के अंत में करने की योजना थी लेकिन कुछ कारणों से उसे उस समय टाल दिया गया था और अब आयोजित किए जा रहे इस बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास में स्वदेशी वायु रक्षा क्षमताओं का प्रदर्शन किया जा रहा है, जिसमें विशेष रूप से भारत की रक्षा उत्पादन क्षमताओं को दर्शाया जा रहा है। इस वायु अभ्यास में भारतीय वायुसेना अपने हल्के लड़ाकू विमान, उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर तथा हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर जैसे स्वदेशी प्लेटफार्मों का प्रदर्शन कर रही है। इस बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास का उद्देश्य इसमें हिस्सा लेने वाले सभी देशों की वायु सेनाओं के बीच अंतर-संचालनीयता को बढ़ावा देना, उन्हें सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने और परिचालन समन्वय में सुधार करने में सक्षम बनाना है। 'तरंग शक्ति' में उड़ान और जमीनी प्रशिक्षण के अलावा रक्षा प्रदर्शनियां तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं और वायु अभ्यास में हिस्सा ले रहे देशों के रक्षाकर्मी भारतीय प्रौद्योगिकी कंपनियों का दौरा भी करेंगे। 'तरंग शक्ति' भारत में आयोजित हो रहा अभी तक का सबसे बड़ा अंतर्राष्ट्रीय वायु अभ्यास है, जो अपने यथार्थवादी युद्ध परिदृश्यों और व्यापक अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी के लिए जाने जाते रहे अमेरिका के नेतृत्व वाले 'रेड फ्लैग' अभ्यास से प्रेरित बताया जाता है। करीब तीन महीने पहले 4 से 14 जून 2024 तक अलास्का में अयोजित हवाई अभ्यास 'रेड फ्लैग 2024' के दूसरे संस्करण में भारतीय वायुसेना ने भी हिस्सा लिया था। सिंगापुर तथा अमेरिकी विमानों के साथ भारतीय राफेल भी उस संयुक्त अभ्यास में शामिल हुआ था। इन आयोजित मिशनों में आक्रामक काउंटर एयर और एयर डिफेंस भूमिकाओं में लार्ज फोर्स एंगेजमेंट के एक भाग के रूप में बियॉन्ड विजुअल रेंज युद्ध अभ्यास शामिल थे। अमेरिका द्वारा 'रेड फ्लैग' अभ्यास वर्ष में चार बार आयोजित किया जाता है और इसके दूसरे संस्करण में भारतीय वायुसेना के अलावा सिंगापुर वायुसेना, ब्रिटेन की रॉयल एयरफोर्स, रॉयल नीदरलैंड्स वायुसेना और जर्मन लूफ्टवाफे ने भी हिस्सा लिया था। भारतीय वायुसेना ने रेड फ्लैग में पहली बार 8 राफेल लड़ाकू विमान तैनात किए थे, जिन्हें ट्रान्साटलांटिक यात्रा के लिए आईएल-78 मध्य-हवा में ईंधन भरने वाले विमानों के साथ-साथ सी-17 ग्लोबमास्टर विमान की भी सहायता मिली थी।

भारतीय वायुसेना द्वारा इससे पहले 1 से 10 अप्रैल 2024 तक अपनी ताकत का प्रदर्शन करने के लिए 10 दिवसीय हवाई सैन्य अभ्यास 'गगन शक्ति-2024' भी आयोजित किया जा चुका है, जिसमें देश के सभी वायुसेना स्टेशन बारी-बारी से शामिल हुए थे। उस युद्धाभ्यास में करीब 11 हजार वायु सैनिकों ने हिस्सा लिया था। 'गगन शक्ति-2024' में चीन और पाकिस्तान के साथ दो मोर्चों पर युद्ध के लिए तैयारी का परीक्षण भी किया गया था। उस हवाई सैन्य अभ्यास में तेजस, राफेल, सुखोई-30, जगुआर, मिराज 2000, चिनूक, अपाचे, प्रचंड, ट्रांसपोर्ट विमान ग्लोबमास्टर, सी-130 जे सुपर हरक्यूलस, सी-295 ने अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया था।

दृष्टि कोण

सिखों की सहानुभूति पाने के प्रयास में राहुल

लगातार तीन बार लोकसभा चुनावों में हार के बावजूद कांग्रेस का अल्पसंख्यकों के प्रति मोह कम नहीं हुआ है। कांग्रेस ने लोकसभा सहित चार राज्यों के विधानसभा चुनावों में तीन में करारी शिकस्त खाने के बावजूद कोई सबक नहीं सीखा है। कांग्रेस बयानों के जरिए यह साबित करने पर तुली हुई कि वह सही मायने में अल्पसंख्यकों की खैरख्वाह है। ऐसी राजनीति की कीमत कांग्रेस को चुकानी पड़ी है। दो दशक पहले तक दबे-छिपे तरीके से हिंदुओं की बात करने वाली भाजपा खुल कर सामने आ गई। इससे देश में हिंदू-मुस्लिम मतदाताओं का स्पष्ट धुरवीकरण नजर आता है। अल्पसंख्यकों की हितैषी साबित करने के लिए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अमरीका में सिक्खों की भारत में सुरक्षा को लेकर बयान देकर संगठन को मुश्किल में डाल दिया। पहले मुसलमानों और अब सिक्खों को लेकर दिए गए बयान से कांग्रेस भाजपा के निशाने पर आ गई। राहुल गांधी के बयान से खालिस्तान की मांग करने वाले पृथकतावादी संगठन के प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू को जहर उगलने का मौका मिल गया। राहुल गांधी ने कहा था कि वो अल्पसंख्यकों को उनका हक दिलाने और उनको बेखौफ होकर जीने की आजादी दिलाने के लिए लड़ रहे हैं। उनकी लड़ाई इस बात से है कि भारत में सिखों को पगड़ी बांधने में डर न लगे, कड़ा पहनने से कोई न रोके, वे गुरुद्वारों में बेखौफ होकर जा सकें। इसके बाद खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने राहुल गांधी के बयान को बिल्कुल सही बताया। जो बात राहुल गांधी कह रहे हैं, वो बात पन्नू भी मानता है। राहुल और उसकी लाइन एक है। राहुल गांधी की खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने तारीफ कर दी। पन्नू ने एक बयान जारी करके कहा कि राहुल गांधी ने सिखों के बारे में जो कुछ बोला, उसमें खालिस्तान समर्थक संगठन 'सिख फॉर जस्टिस' की बात का समर्थन है। बड़ी बात यह है कि राहुल गांधी की बात को उस सिख नौजवान भलिंदर सिंह ने भी गलत बताया जिसका नाम पूछ कर वॉशिंगटन में राहुल ने भारत में सिखों की स्थिति के बारे में गलतबयानी की थी। भलिंदर सिंह विरमानी ने खुद सोशल मीडिया पर अपना वीडियो पोस्ट करते हुए कहा कि राहुल गांधी ने उनका नाम पूछकर सिखों को लेकर जो कमेंट किया, वो पूरी तरह गलत था। भलिंदर सिंह ने कहा कि वो खुद भारतीय हैं, कुछ दिनों के लिए अमरीका आए हैं। उन्होंने भारत में कभी नहीं देखा कि किसी सिख को पगड़ी पहनने या कड़ा पहनने से रोका गया हो या किसी को गुरुद्वारे जाने में कोई दिक्कत हुई हो। देश में सिक्खों को लेकर प्यू रिसर्च सेंटर की सर्वे रिपोर्ट 2021 में प्रकाशित हुई थी। प्यू रिसर्च सेंटर ने यह सर्वे 2019 से 2020 के बीच कराया था। इस सर्वे में महज 14 फीसदी सिखों ने ही माना था कि भारत में सिखों के साथ भेदभाव होता है। मगर अधिकतर सिखों का मानना था कि उन्हें भारत में कोई भेदभाव नहीं दिखता। इस रिपोर्ट के मुताबिक, करीब 95 फीसदी सिख खुद को भारतीय होने पर बहुत गर्व करते हैं। इतना ही नहीं, बहुमत यानी 70 फीसदी सिखों का मानना है कि जो व्यक्ति भारत का अनादर करता है, वो सिख हो ही नहीं सकता। वॉशिंगटन डीसी में राहुल गांधी ने दुनिया भर में भारत विरोधी प्रचार करने वाली अमरीकी सांसद इल्हान उमर से मुलाकात की। इल्हान उमर डेमोक्रेटिक पार्टी की नेता है। वो खुले तौर पर पाकिस्तान की हिमायती है और हर मंच पर भारत का विरोध करती है। राहुल गांधी अमरीकी सांसदों के जिस प्रतिनिधिमंडल से मिले, उसमें इल्हान उमर को खास तौर पर बुलाया गया था। इल्हान उमर वही है, जिसने 2022 में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में जाकर कहा था कि कश्मीर पर भारत का कोई हक नहीं है, भारत को कश्मीर छोडऩा ही पड़ेगा। जून 2023 में इल्हान उमर अमरीका की संसद में भारत के खिलाफ एक प्रस्ताव लेकर आई थी, जिसमें अमरीकी विदेश मंत्रालय से अपील की गई थी कि वह भारत को एक ऐसा देश घोषित करे जहां पर धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का हनन होता है, जहां मुसलमान सुरक्षित नहीं हैं। कांग्रेस के नेताओं के पास इस बात का भी जवाब नहीं है कि राहुल गांधी पाकिस्तान समर्थक इल्हान उमर से क्यों मिले। इल्हान तो हमेशा से भारत के खिलाफ रही है।

कुछ अलग

लो जी रिश्वत स्थगित!

रिश्वत बुरी बला है। लेनी और देनी नहीं चाहिए। यानी सार्वजनिक रूप से रिश्वत का आदान-प्रदान नहीं होना चाहिए। रोशनी में तो बिल्कुल नहीं होना चाहिए। इससे साख प्रभावित होती है। लेकिन सूर्य छिपने के बाद अंधेरे में अगर कोई ब्रीफकेस में नोट दे भी जाता है तो समझ लेना चाहिए कि लक्ष्मी खुद चलकर आई हैं। लक्ष्मी का निरादर नहीं होना चाहिए। लक्ष्मी जी दिन को बिजी होती हैं। रात को अपने वाहन पर सवार होकर निकलती हैं। उनका वाहन उल्लू रहता है। अब उल्लू के मूड पर डिपेंड करता है कि वह उन्हें कहां लेकर जाएगा। कई बार उल्लू भी भ्रमित हो जाता है और वह अपनी बातों में झांसे में लेकर लक्ष्मी जी को नेताओं, धन्नासेठों, तस्करों, माफियाओं की कोठी पर ले जाता है। यह सब कुछ अंधेरे में होता है, इसलिए दुनिया वालों को पता नहीं चलता। जैसे नेताओं के कारनामे कई बार पब्लिक को पता नहीं होते, लेकिन सीबीआई को पता चल जाते हैं। सीबीआई अंधेरे में भी तीर मार लेती है। इसलिए करनामे बेनकाब हो जाते हैं। सीबीआई और ईडी आजकल बहुत बिजी चल रही हैं। इसलिए न तो उन पर चर्चा करेंगे, न लक्ष्मी जी पर चर्चा करेंगे और न ही उल्लू पर चर्चा करेंगे। चर्चा सिर्फ रिश्वत पर होगी। और रिश्वत बुरी बला है। इससे साख दांव पर लग जाती है। साख यानी इमेज पर धब्बा नहीं लगना चाहिए, इसलिए नेताजी ने डिसाइड किया है कि 2 महीने तक रिश्वत स्थगित की जाएगी। कोई देने आएगा तो भी नहीं ली जाएगी। नेताजी ने इस बारे में बयान भी दे दिया है। बयान छप भी गया है और पब्लिक को पता भी चल गया है। पब्लिक में चर्चा शुरू हो गई है कि रिश्वत पर अब नकेल कसी जाएगी। लेकिन पब्लिक में कुछ नेगेटिव किस्म के लोग भी होते हैं। उनमें से एक कह रहा है कि रिश्वत पर लगाम नहीं लगी है, बल्कि दो महीने के लिए स्थगित की गई है। यानी 2 महीने बिल्कुल रिश्वत नहीं ली जाएगी और उसके बाद एक साथ ले ली जाएगी, ताकि रिश्वत की आत्मा को ठेस न पहुंचे। एक और नेगेटिव किस्म का व्यक्ति कह रहा है कि महंगाई और अपनी नाकामियों से पब्लिक का ध्यान हटाने के लिए नेताजी ने ऐसी घोषणा की है। रिश्वत का वजूद पहले भी था और बाद में भी रहेगा। क्योंकि खर्च पानी इसी से चलते हैं। इसी पैसे से चुनाव लड़े जाते हैं। इसी पैसे से बेनामी संपत्तियां बनाई जाती हैं। इसी पैसे से नेताओं की पत्नियां अपने शाही शौक पूरे करती हैं। विदेश यात्राएं करती हैं। महंगे महंगे होटलों में जाकर किटी पार्टियां करती हैं। रिश्वत तो परमोधर्मा है। यह अजर और अमर है। तीसरा नेगेटिव किस्म का व्यक्ति दलील दे रहा है कि अब नेताजी और भी कडक़ फैसले लेंगे। अपने विरोधियों को अंदर ठोक देंगे। कर्मचारियों के वेतन-भत्ते बंद कर देंगे। आर्थिक इमरजेंसी घोषित कर देंगे। हड़ताल, धरना, प्रदर्शन पर रोक लगा देंगे। यह तो अभी शुरुआत है। आगे आगे देखिए होता है क्या। इब्तदाय इश्क है रोता है क्या। उसकी बात काटते हुए एक कट्टर समर्थक कहता है, नेताजी के हर कडक़ फैसले को राजनीति के चश्मे से देखना बंद कीजिए। ऐसे फैसले हर कोई नेता नहीं ले सकता। हमारा नेता अलग ही मिट्टी का बना हुआ है। उस मिट्टी को हमें नमन करना चाहिए। नेताजी की लंबी आयु और लंबे शासन की कामना करनी चाहिए। अभी तो रिश्वत पर ही फैसला हुआ है। आने वाले दिनों में पब्लिक को भी कडक़ फैसलों के लिए और कुर्बानी देने के लिए तैयार हो जाना चाहिए। लोकतंत्र को जिंदा रखने के लिए कुर्बानी जरूरी है। यह कुर्बानी नेताजी को नहीं, बल्कि पब्लिक को देनी चाहिए। नेताजी तो लोकतंत्र के प्रहरी हैं। सिंहासन पर बैठकर लोकतंत्र की रक्षा कर रहे हैं।

देश दुनीया से

हिंदी पर बाजार का कब्जा

> 1912 में प्रख्यात आलोचक व निबंधकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने यह बात कही थी। उदारवाद का बिगुल फूंकते बहुतेरे टीवी चैनल आ गए। अखबार रंगीन और चिकने पन्ने वाले हुए और ग्लोबलिस्टों की नई-नई टुकडिय़ां उनके संपादकीय पन्नों पर कब्जा करने लगीं। खुले दरवाजे पर तोरण की मानिंद लटकते पिंजरों में बैठे तोतों की तरह वे सुबह से शाम तक यह बताने लगे कि इस देश को 21वीं सदी में ले जाने के लिए हिंदी असमर्थ है। यह कठिन और दुरुह है। हिंदी को बिना शोध के टेक्नोफ्रेंडली से दूर किया गया। नतीजतन, धड़ाधड़ हिंदी के स्थापित और प्रचलित शब्दों को, जो संप्रेष्य थे, अपदस्थ कर उनकी जगह अंग्रेजी के शब्दों का उपयोग समाचारपत्रों में होने लगा। देशहित में हिंदी के विस्थापन को नए चिंतकों ने अनिवार्य मान लिया। अंग्रेजी के तीसरे दर्जे के कथित विद्वानों-लेखकों को हिंदी मीडिया में घर कर गई पूर्वाग्रह को दूर करने के लिए जगह दी जाने लगी।

भाषा ही किसी जाति की सभ्यता को सबसे अलग झलकाती है, यही उसके हृदय के भीतरी कल-पुर्जे का पता देती है। किसी जाति को अशक्त करने का सबसे सहज उपाय उसकी भाषा को नष्ट करना है।' 1912 में प्रख्यात आलोचक व निबंधकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने यह बात कही थी। उदारवाद का बिगुल फूंकते बहुतेरे टीवी चैनल आ गए। अखबार रंगीन और चिकने पन्ने वाले हुए और ग्लोबलिस्टों की नई-नई टुकडियां उनके संपादकीय पन्नों पर कब्जा करने लगीं। खुले दरवाजे पर तोरण की मानिंद लटकते पिंजरों में बैठे तोतों की तरह वे सुबह से शाम तक यह बताने लगे कि इस देश को 21वीं सदी में ले जाने के लिए हिंदी असमर्थ है। यह कठिन और दुरुह है। हिंदी को बिना शोध के टेक्नोफ्रेंडली से दूर किया गया। नतीजतन, धड़ाधड़ हिंदी के स्थापित और प्रचलित शब्दों को, जो संप्रेष्य थे, अपदस्थ कर उनकी जगह अंग्रेजी के शब्दों का उपयोग समाचारपत्रों में होने लगा। देशहित में हिंदी के विस्थापन को नए चिंतकों ने अनिवार्य मान लिया। अंग्रेजी के तीसरे दर्जे के कथित विद्वानों-लेखकों को हिंदी मीडिया में घर कर गई पूर्वाग्रह को दूर करने के लिए जगह दी जाने लगी। विभिन्न संस्थानों के सीईओ, एमडी आदि पदधारियों से सौदेबाजी के लिए उनके लेख/इंटरव्यू छापे जाने लगे। अब यह होड़ हिंदी चैनलों में ही है। भाषा-संहार पर सभी मूक-बधिर बन गए। वस्तुतः किसी भी भाषा को खत्म करने के लिए पहले उसे कठिन बताओ, फिर उसका उपहास करो और अंत में उसे अनुपयोगी घोषित कर दो, ताकि वह अपने आप ही मर जाए। कोई भी भाषा केवल अपने साहित्य के दम पर जिंदा नहीं रह सकती। यह जरूरी है कि ये भाषाएं साहित्य-संस्कृति के साथ-साथ रोजगार की भी भाषाएं बनें। बाजार अपने राजनीतिक ताने-बाने के साथ अपना शब्द भंडार, शब्दावलियां और भाषिक प्रभुत्व भी बनाता है। इंग्लैंड में अंग्रेजी से पहले भी कई भाषाएं थीं और उनका साहित्य था। अंग्रेजी ने अन्य भाषाओं को दबा कर अपना प्रभुत्व इंग्लैंड में और कालांतर में उपनिवेशीकरण के जरिये दुनिया के दूसरे देशों को बढ़ाया। धीरे-धीरे अंग्रेजीकरण और ज्ञान प्रक्रिया का आधुनिकीकरण एक-दूसरे के पर्याप्त समझ लिए गए। विदित है कि हिंदी पहले बुद्धिवाद और समावेशी राष्ट्रवाद की वाहक मानी जाती थी, जो आज भी है, किन्तु बाजार ने इसे कहीं का नहीं रहने दिया। इसके सटीक उदाहरण आध्यात्मिक बाजार, मल्टी प्लेक्स और क्रिकेट के मैदान में दिख रहे हैं। क्या अंग्रेजी अपनाने से ही ज्ञान या सोच की प्रक्रिया आधुनिक हो जाएगी? उल्लेखनीय है कि एक उत्तर-औपनिवेशिक मामला भाषा, साहित्य और संस्कृति में अस्मिता की राजनीति का है। विडंबना है कि हम टेक्नोलोजी और आधुनिकीकरण के जितने शिखर पर चढ़ते जा रहे हैं, सामाजिक विविधता उतनी ही तेजी से सामाजिक भिन्नता में बदलती जा रही है। इसी कारण सांस्कृतिक हाहाकार मच रहा है। प्रतिरोध के दृश्य दिख रहे हैं। आज समाज को जो पीढियां नेतृत्व दे रही हैं, उनकी नैतिक गड़बडियों के मूल में कहीं भाषा के प्रति उनकी असावधानी और गैर जिम्मेदाराना सलूक तो नहीं है। कभी हिंदी का जन्म बाजार में हुआ था, बाजार में ही उसका विकास हुआ, पर आज बाजार ही उसे तहस-नहस कर रहा है। इसलिए, इसका विकास व भविष्य बाजार के हाथ में है। शिक्षा के बाजारीकरण ने रही-सही कसर भी पूरी कर दी। अंग्रेजी ने तो आधुनिकता का अर्थ संकुचित कर दिया है, जबकि लंबे काल खंड से हिंदी आधुनिकता को व्यापकता प्रदान करते आया है। दुखद पहलू है कि विश्व-बोध के लिए ग्लोबल होना आवश्यक है, जिसमें बाधक राष्ट्र है। एक अफसर ने तो यह कह कर चौंका दिया कि भारतीय भाषाएं अवधारणात्मक चिंतन के लिए अंग्रेजी की तुलना में उतनी योग्य नहीं हैं। हिंदी केवल भाषा ही नहीं, यह भारत की स्वत्व, अस्मिता और संस्कृति की भी प्रतीक है। समाज में चेतना जागरण, देशभक्ति का भाव, अपनी संस्कृति और जीवन मूल्यों का ज्ञान भाषा के माध्यम से ही किया जा सकता है। आज भी हिंदी ही हम सबको एकता के सूत्र में बांध सकती है और समाज तथा राष्ट्र को समृद्धशाली बना सकती है। दुनिया में महाशक्ति का दर्जा पाने वाले देशों की अदालतों में मातृभाषा को अपनाया जाता है। फ्रांस ने 1539 में लैटिन को अपनी अदालतों से बेदखल किया था। जर्मनी ने 18वीं सदी में लैटिन से पिंड छुड़ा लिया। इंग्लैंड की अदालतों में एक समय जर्मन और फ्रेंच का बोलबाला था। रूस, चीन, जापान, वियतनाम, क्यूबा आदि में मातृभाषा का प्रयोग होता है। राष्ट्रीय अस्मिता, बाजार की मांग और पाठकों की पसंद को ही हिंदी पत्रकारिता की नियति मनाने वाले लोग इसको हिंदी की प्रगति के लिए सबसे बड़ा कदम मानते हैं।

आप का नजरीया

ये बैरिकेड क्यों टूटे

पौंग गोविंद सागर और कोल डैम में डूबे अब एक मस्जिद के सामने अपनी संवेदना, अपना उबाल प्रकट करने लगे हैं। अब मामला अतिक्रमण से ऊपर कानून के मजहब से और भी ऊपर जा पहुंचा है और जहां एक अवांछित कुरुक्षेत्र संजौली की छाती पर छेद कर गया। यह नजारा किसके मनमाफिक रहा और किसे डरा गया। क्या चोट खाए अमन के लिए पुलिस कर्मियों का घायल होना सबूत नहीं कि कहीं आपसी वैमनस्य के पेड़ हरे हो रहे हैं या कसूर उस बैरिकेड का जो जनाक्रोश की आंधी से टूट गया और हारा तो वहां वो मुसाफिर भी, जो ईंट और पत्थरों के बीच फंसे गारे में पल भर के लिए धंस गया। हमने इस बहाने कुछ बीज बो दिए। कल ये उगेंगे और इस तरह नफरत के बीज फैलेंगे इस धरती पर इससे जो पहले कभी लाल न थी। मसले के कारण अनेक हो सकते हैं, शंकाओं के बादल अनेक हो सकते हैं, लेकिन इस दौर तक हम कैसे पहुंचे, यह देखना होगा। इन अवैध मंजिलों के वारिस वे भी हैं, जो व्यवस्था में रह कर व्यवस्था को कुतर रहे हैं। ये सारी दीवारें मौजूदा सरकार में नहीं चढ़ीं और न ही इसके विरोध में खड़े सभी लोग केवल धार्मिक संगठन थे, लेकिन दरारों पर पांव रखकर हम ऐसे मुद्दों के प्रति न्याय नहीं कर सकते। मस्जिद की फाइल पूर्व की कई सरकारों की शिकायत कर रही है, लेकिन अब बुधवार के घटनाक्रम ने बता दिया कि कब और किस मंजिल पर बैरिकेड टूट सकते हैं। विरोध, व्यवस्था, कानून और समाज के बीच खड़ी मस्जिद न तो यहां धर्म की प्रतीक बन कर लड़ाई का सबब बन सकती और न ही यह धार्मिक युद्ध क्षेत्र होना चाहिए। दरअसल मस्जिद का अवैध, अवांछित और गैर जरूरी विस्तार आंखों में धूल झौंकता रहा है, लेकिन मजहब की लाल आंखें हमारी परंपराओं से परे हैं। विरोध में समूह भी है और समुदाय भी। समूह यह देख रहा है कि कौन धोखा-कौन फरेब कर रहा है और समुदाय यह देख रहा है कि संप्रदाय क्या कर सकता है या कर चुका है। इन दोनों ही परिस्थितियों के बीच सरकार की भूमिका अहम हो जाती है। जाहिर है सियासत के अपने पैमाने हैं और ये बार-बार हिमाचल को उद्वेलित कर रहे हैं। बाबरी मस्जिद विध्वंस में हिमाचल की शांता कुमार सरकार को भले ही कुर्बान होना पड़ा था, लेकिन यहां के हिंदू बहुसंख्यक समाज ने धर्म के आधार पर इस हुकूमत की वापसी नहीं होने दी थी। बहरहाल अब सियासत का परिदृश्य पहले जैसा नहीं रहा और न ही राष्ट्रीय उद्बोधन। देश में बहुसंख्यकवाद के अलख जिस माहौल को जागृत कर रहे हैं, वहां समुदायों के बीच संवाद की गुंजाइश कम होती जा रही है और इसकी गूंज सोशल मीडिया के हर दायरे में परवान चढ़ चुकी है। इसी परिप्रेक्ष्य में संजौली का सैलाब केवल एक दिन की घटना नहीं, बल्कि आने वाले घटनाक्रम को आहूत कर रहा है। कुछ धार्मिक पहचान के शूल आंखों में खटक रहे हैं, तो नए मुद्दों के समीकरण प्रदेश की व्यापारिक गतिविधियों में भी देखे जा रहे हैं। मस्जिद एक पूजास्थल से आगे बढ़ कर अगर किसी शक्ति को प्रमाणित कर रही है या हर मंजिल पर चढ़ता सरिया प्रायोजित हो रहा है, तो परिवेश की चिंताओं को सुलगाने में एक तीर ही काफी है।

जहाजपुर में पथराव का मामला : दो मस्जिदों के स्वामित्व दस्तावेज मांगे, तनाव बरकरार

भीलवाड़ा (हिंस)। शाहपुरा जिले के जहाजपुर कस्बे में शनिवार को बेवाण पर पथराव की घटना से तनाव का माहौल बन गया। इस घटना के बाद कस्बे में हालात काफी संवेदनशील हो गए हैं। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए रातभर ऑपरेशन चलाकर 15 लोगों को हिरासत में लिया है। पथराव की घटना के बाद कस्बे में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है और पुलिस प्रशासन के अधिकारी लगातार क्षेत्र का दौरा कर स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। शनिवार को राम रेवाड़ी जुलूस के दौरान एक मस्जिद से बेवाण पर पथराव की घटना हुई, जिसके बाद कस्बे में तनाव फैल गया। इस घटना को लेकर जहाजपुर से विधायक गोपीचंद मीणा ने आक्रोश व्यक्त करते हुए पथराव के दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की। उन्होंने उस मस्जिद को अवैध बताकर उसे ध्वस्त करने की मांग भी रखी, जहां से पथराव हुआ था। नगर पालिका की ओर से पथराव वाली जामा मस्जिद तथा तकिया मस्जिद के सदर से स्वामित्व तथा निर्माण स्वीकृति के दस्तावेज 24 घंटों में पेश करने को कहा है। रविवार को दूसरे दिन जहाजपुर कस्बे के बाजार बंद है। हिंदू संगठनों ने आज बैठक करके आगे की रणनीति पर विचार किया है। आज की बैठक में भी मुख्य रूप से अवैध मस्जिद को हटाने व उस पर बुलडोजर चलाने की मांग की है। निकटवर्ती पंडेर कस्बा भी समर्थन में बंद है। बजरंगदल की ओर से आज सभी उपंखड मुख्यालयों पर इस मामले को लेकर ज्ञापन दिया जायेगा। शाहपुरा कलेक्टर राजेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि हालात नियंत्रण में है। दोनो पक्षों से वार्ता के दौर जारी हैं। प्रशासन अपना काम कर रहा है। किसी भी दंगाई को बख्शा नहीं जायेगा। वो स्वयं एसपी राजेश कांवट के साथ वहीं पर डेरा डाले है। विधायक गोपीचंद मीणा शनिवार को अपनी मांगों को लेकर धरने पर बैठ गए, जिससे कस्बे में तनाव और बढ़ गया। पुलिस और प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए तुरंत कार्रवाई शुरू की। इस दौरान अतिक्रमण हटाने के अभियान में रात में कुछ केबिनों को हटा दिया गया, लेकिन इसी बीच दो केबिनों में कुछ युवकों ने आग लगा दी। घटना के बाद से कस्बे में तनाव व्याप्त है, हालांकि प्रशासन की मुस्तैदी के कारण स्थिति नियंत्रण में है। कस्बे में रविवार सुबह से ही स्वैच्छिक बंद देखा गया। पुलिस और प्रशासन के आला अधिकारी लगातार क्षेत्र में गश्त कर रहे हैं और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील कर रहे हैं। पुलिस ने कस्बे में धारा 144 लागू नहीं की है और न ही इंटरनेट सेवाओं पर कोई रोक लगाई गई है। कस्बे में हालात फिलहाल शांतिपूर्ण बने हुए हैं, लेकिन संवेदनशीलता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। जिले के कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने खुद स्थिति की निगरानी की और कस्बे के लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रशासन हर प्रकार से स्थिति पर नजर रखे हुए है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। विधायक गोपीचंद मीणा ने मस्जिद को अवैध बताते हुए उसे तुरंत ध्वस्त करने की मांग रखी है। वहीं प्रशासन इस मांग पर विचार कर रहा है, लेकिन अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। पुलिस और प्रशासन इस मुद्दे को संवेदनशील मानते हुए कोई भी त्वरित कार्रवाई करने से पहले सभी पहलुओं पर गौर कर रहे हैं। रविवार सुबह से कस्बे में शांति बनी हुई है और स्थिति नियंत्रण में है। बाजार और दुकानें स्वैच्छिक रूप से बंद हैं। प्रशासन की ओर से जारी बयान में कस्बे के लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और प्रशासन का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि पुलिस दोषियों की पहचान कर रही है और जल्द ही उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि वह शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। पुलिस दोषियों की तलाश में जुटी है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा। वहीं, कस्बे के नागरिक भी प्रशासन के साथ सहयोग कर रहे हैं, जिससे हालात जल्द सामान्य होने की उम्मीद है।

चंडीगढ़ ग्रेनेड हमला : गैंगस्टर हैप्पी पासीया ने काम के बाद हमलावरों को नहीं दिए पैसे

पुलिस, केंद्रीय एजेंसियों व दिल्ली पुलिस ने दूसरे आरोपी को भी किया गिरफ्तार

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस ने केंद्रीय एजेंसियों और दिल्ली पुलिस के साथ तालमेल की बदौलत चंडीगढ़ ग्रेनेड हमले के दूसरे आरोपी को 72 घंटों के भीतर ही गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की जांच के खुलासा हुआ कि अमेरिका आधारित गैंगस्टर हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासीया ने इस घटना को अंजाम देने के लिए आरोपितों को विस्फोटक सामग्री, हथियार और लॉजिस्टिक सहायता उपलब्ध कराई थी। पुलिस के अनुसार काम होने के बाद किए गए वादे के अनुसार उन्हें पैसे भी नही दिए गए। हैप्पी पाकिस्तान आधारित बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के आतंकवादी हरविंदर सिंह उर्फ रिंदा और आईएसआई के निर्देश पर काम कर रहा था। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने रविवार को अपने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर बताया कि सूचनाओं के आधार पर इस मामले के दूसरे आरोपी विशाल मसीह पुत्र साबी मसीह निवासी गांव रायमल, नजदीक ध्यानपुर, थाना कोटली सूरत मलियां, बटाला, जिला गुरदासपुर को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया है। दरअसल, बुधवार शाम को चंडीगढ़ के सेक्टर 10 में दो लोगों ने ग्रेनेड हमला किया था। इस मामले में पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों ने शुक्रवार को एक आरोपी रोहन मसीह को हथियारों और कारतूसों के साथ गिरफ्तार किया था। रोहन मसीह इस समय स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) अमृतसर के पास रिमांड पर है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि जांच में यह सामने आया है कि हैप्पी पासीया ने पंजाब में अपने साथियों के माध्यम से आरोपितों को विस्फोटक सामग्री, हथियार और लॉजिस्टिक सहायता के अलावा कुछ वित्तीय सहायता की भी उपलब्ध कराई की। उन्होंने बताया कि अपराध को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपी अमृतसर गए और फिर दोनों ने अपने रास्ते अलग हो गए थे। उन्होंने बताया कि विशाल पहले जम्मू-कश्मीर गया और वहां से दिल्ली चला गया, जहां पुलिस टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि जांच में यह भी सामने आया है कि हैप्पी पासीया ने घटना को अंजाम देने वाले व्यक्तियों को भ्रमित करने के लिए शुरुआत में कुछ फंड दिया और घटना को अंजाम देने के बाद और उन्हें अधिक पैसे देने का वादा किया था। उन्होंने बताया कि घटना को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपितों ने हैप्पी पासीया से संपर्क किया, लेकिन उन्हें हैप्पी पासीया से केवल बहाने मिले और बाद में उसने उनका फोन उठाना भी बंद कर दिया। इस मामले में पूरी जानकारी देते हुए एआईजी एसएसओसी अमृतसर सुखमिंदर सिंह मान ने बताया कि इस पूरी साजिश और हैप्पी पासीया के स्थानीय नेटवर्क का पर्दाफाश करने के लिए चंडीगढ़ पुलिस के साथ समन्वय से इस मामले की गहराई से जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि पुलिस टीमों ने आरोपी विशाल मसीह को कोर्ट में पेश कर 20 सितंबर 2024 तक के लिए रिमांड पर लिया गया है।

तीन मंजिला मकान गिरने से 8 लोगों की मौत

मेरठ (हिंस)। लोहियानगर थाना क्षेत्र की जाकिर कॉलोनी में शनिवार शाम तीन मंजिला मकान गिरने से 15 लोग दब गए। देर रात तक बचाव अभियान चलाया गया। मलबे में दबने से अभी तक 8 लोगों की मौत हो गई। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी हादसे का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को बचाव कार्य कराने के निर्देश दिए। जाकिर कॉलोनी में महिला नफो 50 साल पुराने तीन मंजिला मकान में अपने चार बेटों व परिवार के साथ रहती थी। 300 गज में बने इस मकान में 15 लोग रहते थे। मकान में नीचे डेयरी चलती थी। शनिवार देर शाम अचानक तीन मंजिला मकान भरभरा कर गिर गया और घर के सारे लोग मलबे में दब गए। मौके पर पहुंची पुलिस और फायर ब्रिगेड कर्मियों ने बचाव कार्य शुरू कराया। छोटी गली होने के कारण जेसीबी मशीन अंदर नहीं जा पाई को मैनुअली बचाव कार्य करना पड़ा। एडीजी डीके ठाकुर, मंडलायुक्ता सेल्वा कुमारी जे., आईजी नचिकेता झा, जिलाधिकारी दीपक मीणा, एसएसपी डॉ. विपिन ताड़ा समेत पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए। एसडीआरएफ और एनडीआरएफ टीमों को भी बुलाकर राहत कार्य शुरू कराया गया जो रविवार सुबह तक चला। जिला प्रशासन के अनुसार, रविवार सुबह तक आठ लोगों की मौत हो चुकी है।

अपनी मेहनत से होनहार प्रतिभाएं देश और समाज का नाम करती हैं रोशन : मुख्यमंत्री

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि होनहार प्रतिभाएं अपनी मेहनत और लगन से समाज एवं देश का नाम रोशन करती हैं। उनका सम्मान करने से उन्हें प्रोत्साहन मिलता है तथा अन्य लोग भी उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित होते हैं। शर्मा रविवार को जयपुर की बस्सी तहसील स्थित बेनाड़ा धाम में अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा जयपुर की ओर से आयोजित सामूहिक गोठ एवं प्रतिभा सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की प्रगति के लिए यह आवश्यक है कि हम जातिगत भेदभाव से ऊपर उठकर जरूरतमंद लोगों की मदद करें और उन्हें आगे बढ़ाएं। शर्मा ने कहा कि आपसी भाईचारे की भावना और सर्व समाज को साथ लेकर चलने से ही हम विकसित राजस्थान का संकल्प साकार कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मजबूत एवं समृद्ध समाज की नींव शिक्षा पर टिकी है इसलिए राज्य सरकार युवाओं को आगे बढ़ने के लिए भरपूर अवसर उपलब्ध करवा रही है। 8वीं, 10वीं तथा 12वीं कक्षा में मैरिट में आने वाले मेधावी विद्यार्थियों को तीन साल तक की इंटरनेट कनेक्टिविटी के साथ टेबलेट नि:शुल्क दिए जा रहे हैं। 11वीं और 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए प्रतिष्ठित कम्पनियों के माध्यम से कॉर्पोरेट सर्टिफिकेशन प्रोग्राम संचालित करने के लिए प्रदेश के सभी संभागों में राजस्थान फिनिशिंग स्कूल स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं में उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में बिजनेस इनोवेशन प्रोग्राम चलाया जाएगा। राज्य में 20 नए आईटीआई और 10 पॉलीटेक्नीक कॉलेज खोले जाएंगे। स्वामी विवेकानन्द स्कॉलरशिप फॉर अकेडमिक एक्सीलेंस योजना के तहत विद्यार्थियों की देश-विदेश में उच्च शिक्षा का खर्च राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। शर्मा ने कहा कि कौशल विकास के लिए स्टेट स्किल पॉलिसी बनाकर दो साल में लगभग 1.5 लाख युवाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। अटल इनोवेशन स्टूडियो की स्थापना से रोजगार के नए अवसर सृजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पांच साल में सरकारी एवं निजी क्षेत्र में 10 लाख रोजगार उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभिभावकों का यह दायित्व है कि वे अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाकर कला, विज्ञान, खेल और तकनीकी जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़ाएं, साथ ही उन्हें बुजुर्गों की सेवा करने के संस्कार भी दें। उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए सपनों की उड़ान भरने के लिए संभावनाओं का आसमान खुला है।

जयप्रकाश के लिपस्टिक पाउडर के बयान पर महिला आयोग ने भेजा नोटिस

कैथल (हिंस)। हिसार से कांग्रेस सांसद जयप्रकाश महिला प्रत्याशियों की लिपस्टिक पाउडर पर दी गई टिप्पणी को लेकर घिर गए हैं। उनके इस बयान पर महिला आयोग ने जेपी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। इसी मुद्दे को लेकर ढुल खाप ने शुक्रवार को एक महापंचायत बुलाई थी, लेकिन उसमें भी कोई फैसला नहीं हो सका था। इस पर आज बैठक होनी है। महिला कांग्रेसनेत्री ने जयप्रकाश से माफी मांगने को कहा है। दरअसल, सांसद जयप्रकाश के बेटे विकास सहारण कलायत विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं। बेटे के समर्थन में आयोजित एक सभा के दौरान जयप्रकाश ने चुनाव लड़ रहीं महिलाओं पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि अगर लिपस्टिक और पाउडर से नेता बनते हैं तो मुझे भी लगाना चाहिए। मुझे दाढ़ी क्यों रखनी चाहिए। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। उनके इस बयान को लेकर महिला आयोग की अध्यक्ष रेणु भाटिया ने कहा कि हमने जय प्रकाश को उनके इस बयान पर नोटिस जारी किया है और उन्हें जवाब देने के लिए कहा है। सांसद के बयान पर कांग्रेसनेत्री श्वेता ढुल ने सोशल मीडिया पर एक कविता पोस्ट कर उन्हें जवाब दिया है। कांग्रेस नेत्री श्वेता ढुल ने लिखा कि वह कांग्रेस में थी कांग्रेस में है और कांग्रेस में ही रहेंगी। नारी के अपमान को लेकर जयप्रकाश को माफी मांगनी चाहिए। श्वेता ने लिखा कि वह जयप्रकाश को वोट तो दे देगी परंतु उसको पहले अपनी दाढ़ी कटा कर, बिंदी, लिपस्टिक और पाउडर लगाकर वोट मांगने आना पड़ेगा।

बजरंग दल के जिलाध्यक्ष पर जानलेवा हमले के दो हमलावर गिरफ्तार

फिरोजाबाद (हिंस)। जनपद में बजरंगदल के जिलाध्यक्ष पर जानलेवा हमला करने के मामले में फरार चल रहे दो अभियुक्तों को पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार किया है। थाना नारखी क्षेत्र के गांव नारखी धौंकल निवासी बजरंगदल के जिलाध्यक्ष शुभम प्रताप सिंह पर पांच सितंबर को अज्ञात व्यक्तियों ने जानलेवा हमला किया है। उन्होंने थाने में 13 नामजद लोगों व अज्ञात लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया था। थाना प्रभारी नारखी राजेश सिंह पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में गश्त पर थे, तभी उन्होंने सूचना पर अभियुक्त हनीफ खां और जीतू उर्फ जीशान को बरतरा तिराहा के पास थाना क्षेत्र नारखी से गिरफ्तार किया है। इस मामले में पुलिस टीम ने पूर्व में तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। अन्य नामजद व अज्ञात अभियुक्तों के गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

श्री गुरु ग्रंथ साहिब के प्रथम प्रकाश पर्व को श्रद्धा से मनाया

जींद (हिंस)। सुखमनी सेवा सोसायटी गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा द्वारा रविवार को श्री गुरु ग्रंथ साहिब के प्रथम प्रकाश पर्व को समर्पित अपने 20वें गुरमत समागम का आयोजन किया गया। समागम में बाहर से आए रागी विद्वान, कथा वाचक तथा ढाढी जत्थों ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब की महिमा का गुणगान किया। गुरुघर के प्रवक्ता बलविंदर सिंह के अनुसार गुरमत समागम में सबसे पहले गुरुद्वारा साहिब के रागी भाई गुरदित्त सिंह के रागी जत्थे द्वारा शब्द कीर्तन गायन किया गया। तख्त श्री दमदमा साहिब से आए प्रसिद्ध कथा वाचक ज्ञानी गुरसेव सिंह अपने कथा प्रवचनों में श्री गुरू ग्रंथ साहिब जी की विशेषताओं का व्याख्यान करते हुए बताया कि इस पवित्र ग्रंथ में गुरुओं, भक्तों की बाणी पर हम सभी को अमल करना चाहिए। हमेशा सच के मार्ग पर चलना चाहिए। अपने मन को परमात्मा के मन से जोड़ना चाहिए। जरूरतमंद लोगों की मदद हमेशा करनी चाहिए। गुरु ग्रंथ साहिब हमें अपना जीवन जीने के तरीके के बारे में मार्गदर्शन करते हैं। यह मानवता की एकता के बारे में सिखाता है। इसके बाद दरबार साहिब अमृतसर से आए हजूरी रागी भाई गुरदित्त सिंह के रागी जत्थे ने निरोल गुरबाणी कीर्तन करके संगतों का मन मोह लिया। समागम के अंत में गुरु की नगरी सुल्तानपुर लोधी से आए भाई सुखदेव सिंह चमकारा के इंटरनेशनल गोल्ड मेडलिस्ट ढाढी जत्थे ने गुरू श्री ग्रंथ साहिब के गुरु इतिहास को अपनी ढाढी वारों में पिरोकर संगतों को बताया कि श्री गुरु ग्रंथ साहिब का पहला प्रकाश 1604 में हरमंदिर साहिब अमृतसर में किया गया। जिसका संपादन पांचवें गुरु अर्जुन देव ने किया था। 1705 में दशम पिता गुरू गोबिन्द सिंह ने दमदमा साहिब में इसमें अपने पिता गुरु तेग बहादुर साहिब के 116 शब्द दर्ज करके इसको संपूर्ण किया। इसमें कुल 1430 पृष्ठ हैं।

हमें छुआछूत के भाव को पूरी तरह मिटाना है : भागवत

संघ प्रमुख बोले, हिंदू मतलब विश्व का सबसे उदारतम मानव

जयपुर (हिंस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि हम अपने धर्म को भूलकर स्वार्थ के अधीन हो गए, इसलिए छुआछूत चला। ऊंच-नीच का भाव बढ़ा, हमें इस भाव को पूरी तरह मिटाना है। जहां संघ का काम प्रभावी है, संघ की शक्ति है, वहां कम से कम मंदिर, पानी, श्मशान सब हिंदुओं के लिए खुले रहें, यह काम समाज का मन बदलते हुए करना है। सामाजिक समरसता के माध्यम से परिवर्तन लाना है। उन्होंने स्वयंसेवकों से सामाजिक समरसता, पर्यावरण, कुटुम्ब प्रबोधन, स्व का भाव और नागरिक अनुशासन इन पांच विषयों को अपने जीवन में उतारने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जब इन बातों को स्वयंसेवक अपने जीवन में उतारेंगे तब समाज भी इनका अनुसरण करेगा। डॉ. भागवत रविवार को अलवर जिले के इंदिरा गांधी खेल मैदान में स्वयंसेवकों के एकत्रीकरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष संघ कार्य को सौ वर्ष पूरे हो रहे हैं। संघ की कार्य पद्धति दीर्घकाल से चली आ रही है। हम कार्य करते हैं तो उसके पीछे विचार क्या है, यह हमें ठीक से समझ लेना चाहिए और अपनी कृति के पीछे यह सोच हमेशा जागृत रहनी चाहिए। राष्ट्र को समर्थ करना है। हमने प्रार्थना में ही कहा है कि यह हिंदू राष्ट्र है। क्योंकि हिंदू समाज इसका उत्तरदायी है। इस राष्ट्र का अच्छा होता है तो हिंदू समाज की कीर्ति बढ़ती है। इस राष्ट्र में कुछ गड़बड़ होता है तो हिंदू समाज पर आता है क्योंकि वही इस देश का कर्ताधर्ता है। संघ प्रमुख भागवत ने कहा कि राष्ट्र को परम वैभव संपन्न और सामर्थ्यवान बनाने का काम पुरुषार्थ के साथ करने की आवश्यकता है। हमें समर्थ बनना है। इसके लिए पूरे समाज को योग्य बनाना पड़ेगा। जिसे हम हिंदू धर्म कहते हैं, यह वास्तव में मानव धर्म है, विश्व धर्म है और यह सबके कल्याण की कामना लेकर चलता है। हिंदू मतलब विश्व का सबसे उदारतम मानव, जो सब कुछ स्वीकार करता है। सबके प्रति सद्भावना रखता है। पराक्रमी पूर्वजों का वंशज है। जो विद्या का उपयोग विवाद पैदा करने के लिए नहीं करता, ज्ञान देने के लिए करता है। धन का उपयोग मदमस्त होने के लिए नहीं करता, दान के लिए करता है। शक्ति का उपयोग दुर्बलों की रक्षा के लिए करता है। यह जिसका शील है, यह जिसकी संस्कृति है वह हिंदू है। पूजा किसी की भी करता हो। भाषा कोई भी बोलते हो। किसी भी जात-पात में जन्मा हो। किसी भी प्रांत का रहने वाला हो। कोई भी खान-पान रीति-रिवाज को मानता हो। यह मूल्य जिनके हैं, यह संस्कृति जिनकी है, वह सब हिंदू हैं। डॉ. भागवत ने कहा कि पहले संघ को कोई नहीं जानता था। अब सब जानते हैं। पहले संघ को कोई मानता नहीं था। आज सब लोग मानते हैं, जो हमारा विरोध करने वाले लोग हैं वह भी। हमारा होठों से तो विरोध करते हैं लेकिन मन से तो मानते ही हैं। इसलिए अब हमें हिंदू धर्म, हिंदू संस्कृति और हिंदू समाज का संरक्षण राष्ट्र की सर्वांगीण उन्नति के लिए करना है।

भाजपा ओबीसी मोर्चा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी का किया पुतला दहन

अररिया (हिंस)। फारबिसगंज के हलहलिया में भाजपा ओबीसी मोर्चा की ओर से रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पुतला दहन किया गया। यह पुतला दहन राहुल गांधी के द्वारा विदेश यात्रा के दौरान आरक्षण को लेकर की गई टिप्पणी को लेकर की गई। भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष दिलीप पटेल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी का पुतला दहन किया। इस मौके पर भाजपा ओबीसी मोर्चा के मौजूद दर्जनों कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। मौके पर भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष दिलीप पटेल ने कहा कि राहुल गांधी के द्वारा आरक्षण के विरोध में बोलने की बातों को लेकर जितना भी निंदा की जाय,वह कम है। दिलीप पटेल ने कहा कि राहुल गांधी विदेश दौरे पर जाने पर अपने अनर्गल बयानबाजी से देश को नीचा दिखाने की कसर नहीं छोड़ते। उनके द्वारा किए जाने वाले बयानबाजी से देश के लोग आहत होते हैं। इस मौके पर धर्मेंद्र साह, बिनोद पैक, सुनील चौरसिया, गंगा साह, राजू बहरदार, अजय मंडल, उपेंद्र शर्मा, नरेश बिश्वास, अश्वनी बर्मा,जीतेन्द्र बर्मा,नरेश चौधरी,सूरज मंडल, बिवेकानंद शर्मा, रामेश्वर बहरदार, सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

कोसी, रामगंगा, ढेला, फीका नदियां उफान पर मुरादाबाद में 45 से अधिक गांवों में घुसा पानी

मुरादाबाद (हिंस)। पहाड़ों पर और मंडल में मूसलाधार बारिश के बीच जहां नदियों का जलस्तर बढ़ गया वहीं जिले के ग्रामीणों की चिंता भी बढ़ गई है। कोसी, रामगंगा, ढेला, फीका आदि नदियां उफान पर होने से शनिवार को रात्रि में जिले के 45 से अधिक गांवों मे ग्रामीणों की हजारों बीघा फसल पानी में डूब गई। वहीं रविवार को ग्रामीण क्षेत्र के मार्गों पर पानी आने से आवागमन बाधित हो रहा है। ग्रामीण इस बात से परेशान है कि यदि थोड़ा पानी और बढ़ा तो गांव के अंदर घुस जाएगा, जिससे मुश्किल और बढ़ जाएगी। जिले में बीते चार दिन मुरादाबाद में हुई मूसलधार बारिश ने आफत बढ़ा दी है। बारिश के कारण ग्रामीण क्षेत्र के ताल-तलैया पानी से लबालब भर गए हैं। कोसी, रामगंगा, ढेला, फीका आदि नदियां उफान पर हैं। रविवार को फिर नदियों का जलस्तर बढ़ने से पानी गांवों तक पहुंच गया है। कोसी नदी का जलस्तर बढ़ने से मूंढापांडे थाना क्षेत्र के गांव रनियाठेर, गदईखेड़ा, लालपुर तीतरी, चक कोहनकू, जैतपुर बिसाहठ, बरवारा खास, खबड़िया भूड़, सिहोरा बाजे, हरपालनगर आदि गांवों तक पानी पहुंच गया है। हरपालनगर, रनियाठेर और गदईखेड़ा गांव में कोसी नदी के कारण कटान हुआ है। नदी में पानी अधिक होने के कारण कटान की पूरी स्थिति का पता अभी बाढ़ खंड भी नहीं लगा सका है। पानी उतरने के बाद ही कटान की सही जानकारी सामने आएगी। इसके अलवा मूंढापांडे क्षेत्र में ही रामगंगा नदी से जैपुर और वीरपुर बरियार गांव में कटान हो गया है। जहां बाढ़ खंड की टीम नदी किनारे ब्लॉक लगाकर पानी रोकने का प्रयास कर रही है ताकि गांवों में पानी न घुसे। इसी तरह ढेला और फीका नदी का जलस्तर बढ़ने से ठाकुरद्वारा, डिलारी और भोजपुर थाना क्षेत्र के कई गांवों में फसल पूरी तरह पानी में डूब गई है। सड़कों पर पानी भरने से ग्रामीणों का गांव से निकलना तक मुश्किल हो रहा है। वहीं भोजपुर थाना क्षेत्र के काफियाबाद में इस्लामनगर- पीपलसाना मार्ग पर काफियाबाद की पुलिया पर पानी बह रहा है। इस कारण वहां आवागमन ठप है। ग्रामीण मोहम्मद उल्ला, शफीक अहमद, बाबू राम, राधे श्याम आदि ग्रामीणों ने बताया कि काफियाबाद में चड़ियों का मेला वाला मैदान डूब गया है। खेतों में पानी भरने से फसल बर्बाद होने के कगार पर है।

5 वर्षों के शासन में 118 नरसंहारों के लिए *पश्चाताप मार्च* निकाले राजद : उमेश सिंह

पटना (हिंस)। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने रविवार को बयान जारी कर राजद द्वारा निकाले गए राजभवन मार्च पर जमकर पलटवार किया। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि 15 वर्षों के शासनकाल में राजद ने बिहार को जातीय उन्माद और नरसंहार की आग में झोंकने का कुकृत्य किया था। इसलिए, राजभवन मार्च के नाम पर राजनीतिक पाखंड करने के बजाए राजद को पश्चाताप मार्च निकालना चाहिए। उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि राजद की ओर से आपराधिक घटनाएं संबंधित भ्रामक आंकड़े प्रस्तुत कर प्रदेश की जनता को बरगलाने का खेल चल रहा है। राजनीतिक तौर पर बेरोजगार हो चुका विपक्ष अब झूठ और दुष्प्रचार की दुकान सजाकर बैठ गया है। साथ ही उन्होंने कहा कि अपराध की छिटपुट घटनाओं पर झूठी चिंता जाहिर करने से पहले राजद को आईना जरूर देखना चाहिए। उन्होंने राजनीति का अपराधीकरण के लिए राजद को जिम्मेदार ठहराया। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि लालू-राबड़ी के शासन के दौरान बिहार में अपहरण एक उद्योग के रूप में स्थापित हो चुका था और अवैध धन उगाही का बड़ा माध्यम था। एक रिपोर्ट के मुताबिक राजद के 15 वर्षों में 32 हजार से अधिक अपरहण के मामले दर्ज किये गए थे। उन्होंने कहा कि राजद नेताओं और माफियाओं के गठजोड़ से 15 वर्षों तक यह उद्योग खूब फला-फुला। बिहार का चप्पा-चप्पा अपहरण, हत्या, बलात्कार, रंगदारी और भ्रष्टाचार जैसी घटनाओं जाना जाता था। जिसके सरगना राजद से जुड़े हुए लोग थे। उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि लालू-राबड़ी की सरकार में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से चैपट थी। पीड़ितों को न्याय मिलने की बात तो दूर, आपराधिक मामलों का मुकदमा तक दर्ज नहीं होता था। वहीं, आज अपराध करने वाला कानून के शिकंजे से बच नहीं सकता है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वर्ष 2005 के बाद बिहार से भय का वातावरण समाप्त किया है। उन्होंने कहा कि नीतीश सरकार में संगठित अपराध से जुड़े एक भी आपराधिक मामले सामने नहीं आते हैं।

बीते सप्ताह ज्यादातर तेल-तिलहन में सुधार, मूंगफली में गिरावट

नई दिल्ली।
केंद्र सरकार द्वारा बीते सप्ताह खाने के तेलों का आयात शुल्क बढ़ाए जाने के बाद देश के खाद्य तेल-तिलहन बाजार में अधिकांश तेल-तिलहनों के भाव सुधार के साथ बंद हुए। वहीं दाम ऊंचा रहने के कारण कम कारोबार तथा नई फसल की आवक के बीच मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में गिरावट दर्ज हुई। खाद्य तेलों के आयात शुल्क में वृद्धि किये जाने का कोई विशेष असर देशी तेल-तिलहनों पर नहीं दिखा। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 300 रुपये बढ़कर 6,600-6,650 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का भाव 1,225 रुपये बढ़कर 13,750 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 125-125 रुपये की मजबूती के साथ क्रमशः 2,135-2,235 रुपये और 2,135-2,250 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और लूज का भाव क्रमशः 180-135 रुपये की मजबूती के साथ क्रमशः 4,900-4,950 रुपये प्रति क्विंटल और 4,675-4,810 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

इसी प्रकार सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 1,235 रुपये, 1,525 रुपये बढ़कर क्रमशः 11,850 रुपये, 11,750 रुपये क्विंटल पर बंद हुए। दूसरी ओर सोयाबीन डीगम तेल का भाव 250 रुपये की गिरावट दर्शाता 8,600 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में भी गिरावट का रुख रहा। मूंगफली तिलहन 225 रुपये की गिरावट के साथ 6,475-6,750 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 475 रुपये की गिरावट के साथ 11,750 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव 75 रुपये की गिरावट के साथ 2,310-2,610 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ।

न्यूज ब्रीफ

राजस्थान बन रहा निवेशकों की पहली पसंदः मुख्यमंत्री भजनलाल

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि 9 से 11 दिसम्बर तक आयोजित होने वाले राइजिंग राजस्थान समिट के लिए समस्त अधिकारीगण टीम भावना के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि डोमेस्टिक एवं इंटरनेशनल इन्वेस्टर्स मीट के आयोजन से राजस्थान निवेशकों की पहली पसंद बन रहा है। शर्मा हाल ही में मुख्यमंत्री आवास पर राइजिंग राजस्थान समिट की तैयारियों को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने उद्योग एवं वाणिज्य विभाग को निर्देश दिए कि इस समिट के सफल आयोजन के लिए तय समय में सभी तैयारियां पूरी कर ली जाएं। उन्होंने दिल्ली में आयोजित होने वाले आगामी डोमेस्टिक इन्वेस्टर्स मीट के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक तैयारियों के लिए दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में निवेश को आकर्षित करने के लिए विभागीय स्तर पर प्री-समिट का आयोजन कार्ययोजना के साथ किया जाए। उन्होंने पर्यटन नगरीय विकास एवं आवासन, सूचना एवं प्रौद्योगिकी, उद्योग एवं वाणिज्य व रीको, कृषि एवं पशुपालन, शिक्षा, खान एवं पेट्रोलियम, ऊर्जा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के संबंधित अधिकारियों को प्री-समिट के जरिये संबंधित क्षेत्र के निवेशकों के साथ बैठक आयोजित कर निवेश आकर्षित करने के निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि राइजिंग राजस्थान की सफलता में जिला स्तर पर आयोजित होने वाले इन्वेस्टर्स मीट की अहम भूमिका होगी। इसके लिए जिला कलक्टर्स एवं संबंधित विभाग स्थानीय स्तर पर निवेश के इच्छुक उद्यमियों से संवाद स्थापित कर बैठक आयोजित करें, जिससे निवेश धरातल पर मूर्त रूप ले सके और रोजगार के नवीन अवसर सृजित हो सकें।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स जल्द बड़ा आईपीओ लांच करेगी

नई दिल्ली । दक्षिण कोरिया की एमएनसी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स भारत में अपने उत्पादों की लोकप्रियता को भुनाने के लिए एक बड़ा आईपीओ लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। कंपनी 1 से 1.5 अरब डॉलर का आईपीओ लेकर आ रही है, जिसके लिए उसने बैंक ऑफ अमेरिका, सिटीग्रुप इंक, जेपी मॉर्गन चेस और मॉर्गन स्टेनली जैसे बड़े बैंकों का चयन किया है। इस आईपीओ के जरिए एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स की वैल्यूएशन लगभग 13 अरब डॉलर तक हो सकती है। भारत एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है और कंपनी यहां अपनी स्थिति और मजबूत करना चाहती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक आईपीओ 2024 की शुरुआत में लॉन्च हो सकता है, हालांकि इसकी तारीख और साइज में बदलाव संभव है। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स अपने आईपीओ से संबंधित दस्तावेज अगले महीने स्टॉक मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कर सकती है। इसके अलावा कंपनी अन्य बैंकों, जिनमें कुछ भारतीय बैंक भी शामिल हो सकते हैं, को इस आईपीओ में जोड़ने की योजना बना रही है। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने 2030 तक अपना रेवेन्यू 75 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है, जिसमें यह आईपीओ एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भारत का बाजार विदेशी निवेशकों के लिए तेजी से आकर्षण का केंद्र बनता जा रहा है और हाल ही में हुंडई मोटर कंपनी ने भी अपने आईपीओ की योजना का खुलासा किया था ।

बच्चों के लिए चलता है संचायिका नाम से एक बैंक, पोस्ट ऑफिस में जमा होती हैं बचत

नई दिल्ली । राष्ट्रीय बचत संस्थान (एनएसआई) की ओर से हर साल 15 सितंबर को संचायिका दिवस के रूप में बनाया जाता है। इसका उद्देश्य बच्चों को बैंकिंग और अकाउंटिंग सिस्टम की जानकारी देने के साथ उनमें सेविंग की आदत को बढ़ावा देना है, जिससे वे अपने भविष्य में सेविंग कर अच्छे नागरिक बन देश के विकास में योगदान दे सके। संचायिका एक धन प्रणाली है। कह सकते हैं कि इसके जरिए बच्चों को बचत का ककहरा सिखाया जाता है। बचत का महत्व समझ पाते हैं। इस योजना के तहत बच्चे खाते में पैसे जमा कर सकते हैं और उस पर ब्याज प्राप्त कर सकते हैं। इस योजना का विचार पहली बार 1960 के दशक में आया था। संचायिका नाम से एक बैंक भी है जो कि छात्रों द्वारा छात्रों के लिए चलाया जाता है। राष्ट्रीय बचत संस्थान की वेबसाइट पर दी गई जानकारी के मुताबिक संचायिका बैंक में छात्रों द्वारा एकत्रित की जाने वाली राशि पोस्ट ऑफिस सेविंग्स अकाउंट मे जमा किया जाता है। इस खाते को बोर्ड ऑफ ट्रस्टी द्वारा चलाया जाता है, जिसमें स्कूल के प्रिंसिपल या हेड मास्टर और स्कूल या कॉलेज के दो छात्र होते हैं।

अदाणी ग्रुप ने 6,600 मेगावाट बिजली आपूर्ति की बोली जीती, जेएसडब्ल्यू को पछाड़ा

नई दिल्ली ।
अदाणी समूह ने महाराष्ट्र को दीर्घावधि के लिए 6,600 मेगावाट की नवीकरणीय ऊर्जा और ताप बिजली की आपूर्ति की बोली जीत ली है। इससे राज्य को भविष्य की बिजली जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। कंपनी ने इसके लिए 4.08 रुपये प्रति यूनिट की बोली लगाई और जेएसडब्ल्यू एनर्जी और टॉरेंट पावर को पीछे छोड़ दिया। सूत्रों ने बताया कि 25 साल के लिए नवीकरणीय और ताप बिजली दोनों की आपूर्ति के लिए अदाणी समूह की बोली महाराष्ट्र द्वारा फिलहाल खरीदी जा रही बिजली की दर से एक रुपये यूनिट कम है। आशय पत्र (एलओआई) जारी होने की तारीख से 48 माह में बिजली की आपूर्ति शुरू होनी है। बोली शर्तों के अनुसार अदाणी पावर पूरी आपूर्ति अवधि के दौरान सौर बिजली की आपूर्ति 2.70 रुपये प्रति यूनिट की दर पर करेगी। वहीं कोयले से उत्पादित बिजली का दाम कोयला कीमतों के आधार पर निर्धारित (इंडेक्स्ड) किया जाएगा। महाराष्ट्र राज्य बिजली वितरण कंपनी (एमएसईडीसीएल) ने मार्च में सूरज की रोशनी से उत्पन्न 5,000 मेगावाट बिजली और कोयले से उत्पन्न 1,600 मेगावाट बिजली की खरीद के लिए एक विशिष्ट निविदा निकाली थी। इसे लोकसभा चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता लागू होने से ठीक पहले जारी किया गया था और राज्य में विधानसभा चुनाव की घोषणा से पहले इसे अदाणी को दे दिया गया है। इस निविदा में व्यस्त समय में बिजली की मांग को पूरा करने के लिए सौर ऊर्जा और ताप बिजली दोनों की आपूर्ति शामिल हैं सूत्रों के मुताबिक अदाणी पावर ने अनुबंध जीतने के लिए 4.08 रुपये प्रति यूनिट की बोली लगाई। वहीं दूसरी सबसे कम बोली 4.36 रुपये प्रति यूनिट जेएसडब्ल्यू एनर्जी की थी। यह महाराष्ट्र में पिछले साल खरीदी गई औसत बिजली कीमत 4.70 रुपये प्रति यूनिट से कम है। महाराष्ट्र बिजली नियामक आयोग (एमईआरसी) ने 2024-25 के लिए बिजली खरीद की औसत कीमत 4.97 रुपये प्रति यूनिट तय की है। इस तरह अदाणी द्वारा लगाई गई बोली इससे एक रुपये प्रति यूनिट के करीब कम है। कुल मिलाकर चार कंपनियों ने 25 साल के लिए बिजली आपूर्ति की निविदा में भाग लिया।

टाइम की सर्वश्रेष्ठ कंपनियों की सूची में अदाणी समूह भी शामिल

अहमदाबाद । अदाणी समूह को टाइम की प्रतिष्ठित विश्व की सर्वश्रेष्ठ कंपनियों की साल 2024 की सूची में जगह मिल गई है। यह सूची एक प्रमुख वैश्विक उद्योग रैंकिंग और सांख्यिकी पोर्टल स्टेटिस्टा के सहयोग से बनाई गई है। यह सम्मान कर्मचारी संतुष्टि, राजस्व वृद्धि और सस्टेनेबिलिटी के लिए समूह की प्रतिबद्धता को उजागर करता है। अदाणी समूह ने एक बयान में कहा कि यह समूह की कड़ी मेहनत और नयी सीमाएं गढ़ने तथा व्यवसायों में उत्कृष्टता प्रदान करने के निरंतर प्रयासों की पुष्टि करता है। विश्व की सर्वश्रेष्ठ कंपनियों की 2024 की सूची तीन प्रमुख आयामों पर गहन विश्लेषण पर आधारित है- कर्मचारी संतुष्टि : लगभग 1,70,000 प्रतिभागियों के साथ 50 से अधिक देशों में किए गए सर्वेक्षणों में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष सिफारिशों, कार्य स्थितियों, वेतन, समानता और कंपनी की ओवरऑल छवि के आधार पर कंपनियों का मूल्यांकन किया गया। राजस्व वृद्धि : साल 2023 में 10 करोड़ डॉलर से अधिक राजस्व वाली, और 2021 से 2023 तक लगातार वृद्धि प्रदर्शित करने वाली कंपनियों को मूल्यांकन में शामिल किया गया। सस्टेनेबिलिटी (ईएसजी) : इसमें कंपनियों की पर्यावरणीय, सामाजिक और प्रशासनिक (ईएसजी) सस्टेनेबिलिटी को आंकने का प्रयास किया गया। कंपनियों का मूल्यांकन स्टैटिस्टा के ईएसजी डेटाबेस और लक्षित शोध से मानकीकृत ईएसजी केपीआई के आधार पर किया गया। कंपनी ने बताया कि इस मूल्यांकन में अदाणी पोर्टफोलियो की शेयर बाजार में सूचीबद्ध 11 कंपनियों में से आठ पर विचार किया गया, जो पूरे समूह के उत्कृष्ट प्रदर्शन को दर्शाता है। अन्य तीन सूचीबद्ध कंपनियां इन आठ कंपनियों की सहायक कंपनियां हैं। जिन कंपनियों पर विचार किया गया, उनमें अदाणी एंटरप्राइजेज, अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन, अदाणी ग्रीन एनर्जी, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस, अदाणी टोटल गैस, अंबुजा सीमेंट्स, अदाणी पावर और अदाणी विल्मर शामिल हैं। अदाणी समूह देश का सबसे बड़ा और सबसे तेजी से बढ़ने वाला विविध क्षेत्र में कारोबार करने वाला समूह है।

बैंकों को प्रतिस्पर्धी बने रहने ग्राहकों की जरूरत अनुरूप खुद को ढालना चाहिएः सीईए

चेन्नई।
मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने हाल ही में सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन बैंक द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा है कि बैंकों को प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए ग्राहकों की बदलती जरूरतों और बाजार में आ रहे बदलावों के अनुरूप खुद को ढालना चाहिए।

उन्होंने इस कार्यक्रम में आर्थिक वृद्धि को आगे बढ़ाने में कृषि की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। भारतीय अर्थव्यवस्था और बैंकिंग: वृद्धि और रुझान' विषय पर अपने संबोधन में नागेश्वरन ने उद्योग में वृद्धि और नवोन्मेषण को बढ़ावा देने के लिए प्रौद्योगिकी में हुई प्रगति के महत्व को रेखांकित किया।

बैंक द्वारा जारी बयान के अनुसार सीईए ने प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए बैंकों को बदलती ग्राहक प्राथमिकताओं और बाजार की गतिशीलता के अनुरूप खुद को ढालने का आह्वान किया। उन्होंने ज्ञान साझा करने और उत्कृष्टता में निवेश करने के प्रयासों के लिए इंडियन बैंक की सराहना की।

इसके साथ ही उन्होंने उद्यमियों को प्रशिक्षित करने के बैंक के एमएसएमई प्रेरणा कार्यक्रम को भी सराहा। इंडियन बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एसएल जैन ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. नागेश्वरन द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था और बैंकिंग क्षेत्र पर इसके प्रभाव को लेकर अपने जो विचार साझा किए गए हैं, उसका सभी भागीदारों को लाभ होगा। इससे वे चुनौतियों को बेहतर तरीके से समझ सकेंगे।

जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर पर मंत्री समूह के संयोजक होंगे वित्त राज्यमंत्री

नई दिल्ली।
वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर पर काम कर रहे मंत्री समूह (जीओएम) के संयोजक हो सकते हैं। इसमें राज्यों के सदस्य भी शामिल होंगे। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने कहा कि संदर्भ की शर्तें (टीओआर) और जीओएम के सदस्यों को अंतिम रूप देने का काम जारी है। जीओएम को यह सुझाव देना होगा कि अहितकर और विलासिता की वस्तुओं पर एकत्रित उपकर को केंद्र और राज्यों के बीच कैसे बांटा जाएगा। साथ ही जीओएम इस बदलाव को लागू करने के लिए आवश्यक कानूनी संशोधनों पर सुझाव देगा।

उन्होंने कहा कि जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर पर मंत्रियों के समूह के सदस्यों पर निर्णय की प्रक्रिया चल रही है। लेकिन चूंकि मुद्दा उपकर के संबंध में है, जो केंद्र द्वारा एकत्र किया जाता है, और इसका बंटवारा होगा, ऐसे में जीओएम में केंद्र से भी एक सदस्य होगा।

आमतौर पर जीओएम के सबसे वरिष्ठ सदस्य को इसका संयोजक बनाया जाता है। इसलिए, केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री के जीएसटी मुआवजा उपकर पर जीओएम के संयोजक होने की संभावना है।

नायरा एनर्जी की ईंधन बिक्री 14 फीसदी बढ़ी, निर्यात घटा

नई दिल्ली ।
देश की सबसे बड़ी निजी क्षेत्र की ईंधन खुदरा कंपनी नायरा एनर्जी की ईंधन बिक्री 2024 के वित्तीय वर्ष की दूसरी तिमाही में 14.3 प्रतिशत बढ़ी है। हालांकि, इस दौरान कंपनी के निर्यात में गिरावट देखी गई है। नायरा ने कहा कि अप्रैल-जून तिमाही में उसने गुजरात में अपनी वाडिनार तेल रिफाइनरी में उत्पादित समस्त डीजल का 75 प्रतिशत स्थानीय बाजार में बेचा।

वहीं 60 प्रतिशत पेट्रोल की बिक्री भारतीय बाजार में हुई। पिछले कुछ वर्षों में नायरा एनर्जी ने अपने ईंधन खुदरा नेटवर्क को रणनीतिक रूप से कम पहुंच वाले बाजारों तक विस्तारित करते हुए अपने घरेलू कारोबार को तेजी से आगे बढ़ाया है। नायरा ने कहा कि अप्रैल-जून में उसकी खुदरा डीजल बिक्री 14 प्रतिशत बढ़कर 20.8 लाख टन हो गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में यह 18.2 लाख टन थी।

इस दौरान कंपनी के संस्थागत कारोबार की वृद्धि 23 प्रतिशत रही। इसी तरह दूसरी तिमाही में कंपनी की पेट्रोल की खुदरा बिक्री 14.7 प्रतिशत बढ़कर 9.16 लाख रही, जो एक साल पहले समान अवधि में 8.09 लाख टन थी। नायरा एनर्जी पूरे

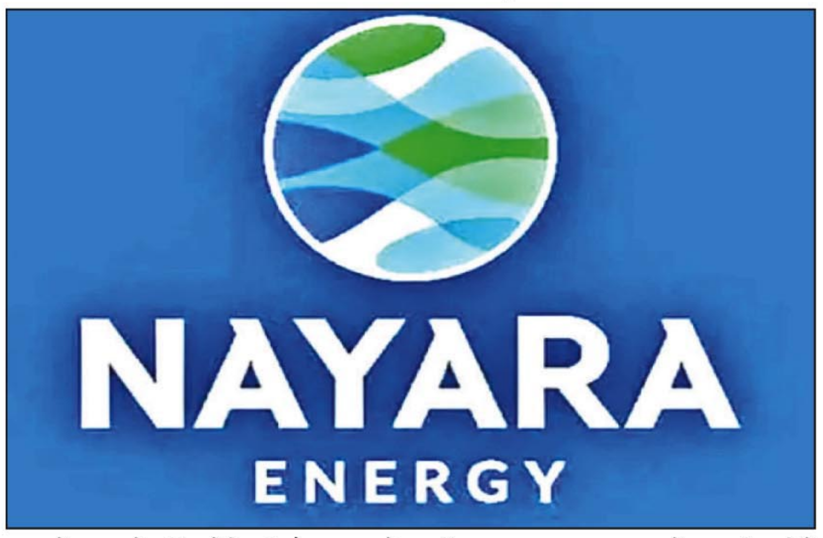

भारत में 6,500 से अधिक पेट्रोल पंप के साथ सबसे बड़े निजी खुदरा नेटवर्क का परिचालन करती है। घरेलू बाजार में मजबूत मांग के बीच अप्रैल-जून में नायरा का पेट्रोल निर्यात कुल पेट्रोल बिक्री में 21 प्रतिशत रह गया। एक साल पहले समान तिमाही में यह 36 प्रतिशत था। नायरा ने अप्रैल-जून में 13.6 लाख टन ईंधन का निर्यात किया। इसमें 6.5 लाख टन हिस्सा डीजल का रहा।

फेड के ब्याज दर पर फैसले, वृहद आर्थिक आंकड़ तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

विदेशी निवेशकों का प्रवाह और कच्चे तेल के भाव भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे

मुंबई ।
इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के ब्याज दर पर फैसले से तय होगी। इसके अलावा वैश्विक मोर्चे पर कई वृहद आर्थिक आंकड़े और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार को दिशा देंगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। भारतीय शेयर बाजार के लिए बीता सप्ताह काफी उल्लेखनीय रहा। गुरुवार को निफ्टी और सेंसेक्स दोनों अपने सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गए। उसी दिन बीएसई के 30 शेयरों वाले सेंसेक्स ने पहली बार 83,000 अंक के स्तर को पार किया। बाजार के विश्लेषकों ने कहा कि इस सप्ताह साल का सबसे महत्वपूर्ण घटनाक्रम होने जा रहा है।

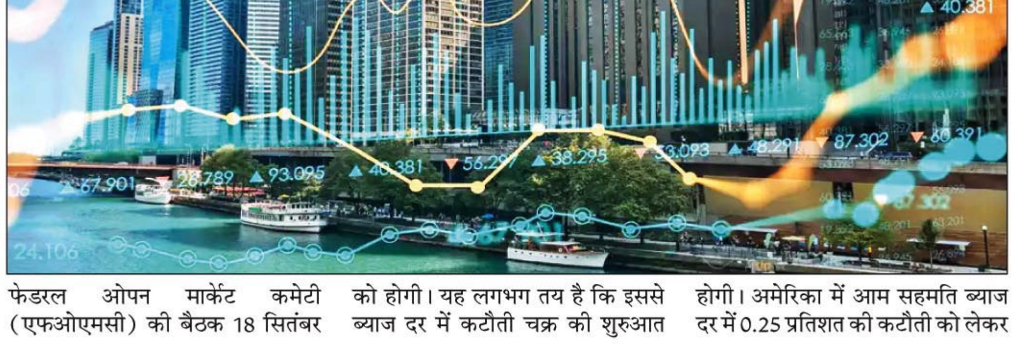

फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक 18 सितंबर को होगी। यह लगभग तय है कि इससे ब्याज दर में कटौती चक्र की शुरुआत होगी। अमेरिका में आम सहमति ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती को लेकर है। हालांकि कुछ बाजार भागीदार ब्याज दर में आधा प्रतिशत कटौती की उम्मीद कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इस तरह का कदम वैश्विक बाजारों के लिए एक महत्वपूर्ण सकारात्मक संकेतक होगा, खासकर भारत जैसे उभरते बाजारों के लिए। इससे डॉलर कमजोर होगा और अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल में कमी आएगी, जिससे भारतीय शेयर बाजारों में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) का प्रवाह बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि इसके अलावा जापान के मुद्रास्फीति आंकड़े शुक्रवार को आने हैं, जिसके बाद बैंक ऑफ जापान (बीओजे) की मौद्रिक नीति की घोषणा होगी।उन्होंने कहा कि विदेशी संस्थागत निवेशकों का प्रवाह, भू-राजनीतिक घटनाक्रम और कच्चे तेल के दाम भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। बाजार का परिदृश्य प्रमुख घरेलू और वैश्विक आर्थिक आंकड़ों जैसे भारत की थोक मुद्रास्फीति, अमेरिका के औद्योगिक उत्पादन, अमेरिकी केंद्रीय बैंक के ब्याज दर पर निर्णय तथा अमेरिका के बेरोजगारी दावों के आंकड़ों से तय होगा।

एक अन्य बाजार विश्लेषक ने कहा कि आगे की ओर देखें, तो यह सप्ताह काफी महत्वपूर्ण है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दर पर निर्णय की घोषणा 18 सितंबर को होगी। घरेलू स्तर पर बाजार भागीदारों की निगाह थोक मुद्रास्फीति के आंकड़ों और विदेशी कोषों के प्रवाह पर रहेगी। 13 सितंबर को समाप्त सप्ताह में एक जो प्रमुख बात रही, वह यह कि एफआईआई ने सप्ताह के सभी दिन लिवाली की।

उन्होंने कहा कि दो कारण हैं कि एफआईआई ने अपनी रणनीति को बदल दिया है। अब इस बात पर आम सहमति है कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक इस महीने से दरों में कटौती शुरू कर देगा, जिससे अमेरिका में बॉन्ड पर प्रतिफल घट जाएगा। इससे उभरते बाजारों में निवेश बढ़ेगा। दूसरा, भारतीय बाजार काफी जुझारू है और यदि एफआईआई यहां निवेश नहीं करते हैं, तो यह एक खराब रणनीति होगी।

युवा भारतीय खिलाड़ी सरफराज खान और ध्रुव जुरेल ने रोहित शर्मा की कप्तानी को सराहा

नई दिल्ली।
भारतीय क्रिकेट टीम बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने जा रही है। पहला मैच 19 सितंबर से चेन्नई में, जबकि दूसरा मैच 27 सितंबर से कानपुर में खेला जाएगा। सीरीज की शुरुआत से पहले टीम के युवा खिलाड़ी सरफराज खान एवं ध्रुव जुरेल ने भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की तारीफ की है।

सरफराज ने कहा कि वह (रोहित शर्मा) बहुत अलग हैं, आपको सहज महसूस कराते हैं। हमारे लिए वह बड़े भाई जैसे हैं। उनके साथ खेलना में बहुत मजा आता है। मैंने उन्हें बाहर से पहली बार देखा था और आज मैं उनके साथ खेल रहा हूं। उनके साथ खलते हुए ऐसा नहीं लगता आप जूनियर हैं। वह हर किसी को बराबर समझते हैं। सरफराज ने आगे कहा कि मेरी फेवरेट मूवी लगान है। फिल्म में आमिर खान ने जिस तरह से अपनी टीम को बनाया, वैसे रोहित भाई मुझे उसकी याद दिलाते हैं। मेरे लिए, वे लगान के आमिर खान हैं। उनके साथ परिवार जैसा महसूस होता है। विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने रोहित शर्मा की बल्लेबाजी शैली को लेकर उनकी सराहना की। जुरेल ने कहा कि जब टीवी पर उनको खेलते देखते थे, लोग कहते थे कि उनके पास शॉट खेलने के लिए काफी समय होता है, लेकिन जब आप करीब से खेलते देखते हैं तो आपको पता चलता है कि जिस बॉल पर हम संघर्ष करते हैं बल्ला सही से नहीं आता, वो आराम से शॉट मार देते हैं। उनका पुल शॉट काफी प्रसिद्ध है। ऐसी चीजों को करीब से देखना काफी विशेष है। जब भी उनके साथ खेलता हूं, बहुत अच्छा महसूस कराते हैं। वह ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम हैं। इस साल की शुरुआत में सरफराज और ध्रुव जुरैल ने रोहित की कप्तानी में ही टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था। दोनों बल्लेबाजों को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया था। सरफराज ने तीन मैचों में 200 रन बनाए थे जिसमें तीन अर्धशतक शामिल थे। वहीं जुरेल ने 190 रन बनाए थे, जिसमें एक 90 रन की शानदार अर्धशतकीय पारी भी शामिल थी। सरफराज और जुरेल को अब बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच के लिए 16 सदस्यीय भारतीय टीम में जगह मिली है।

न्यूज ब्रीफ

हेड साल में अधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बने

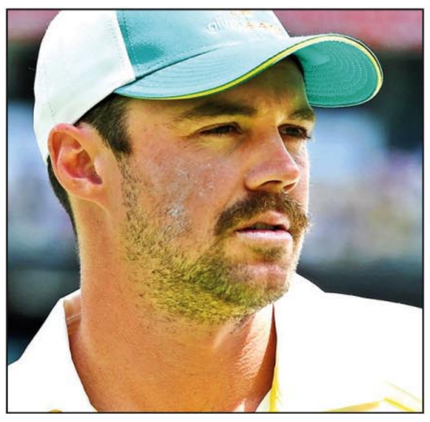

कार्डिफ। ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड ने इंग्लैंड के खिलाफ हुए दूसरे टी20 में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से एक और रिकार्ड अपने नाम किया है। हेड ने दूसरे टी20 में केवल 14 गेंदों में ही चार चौकों और दो छक्के लगाकर 31 रन बना दिये। इस प्रकार हेड अब एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बना गये हैं। इस प्रकार उन्होंने अपने ही देश के आरोन फिंच को पीछे छोड़ा। इस प्रकार हेड ने के इस साल टी20ई में कुल मिलाकर 33 छक्के हो गये हैं। ये एक कैलेंडर वर्ष के दौरान किसी ऑस्ट्रेलियाई द्वारा लगाये सबसे अधिक छक्के हैं। इससे पहले साल 2018 में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान फिंच ने 31 छक्के लगाए थे। इस साल हेड ने 15 टी20 में अब तक 38.50 की औसत और 178.47 के स्ट्राइक रेट से 539 रन बनाए हैं, जिसमें 4 अर्धशतक शामिल हैं। हेड हालांकि अपनी आक्रामक पारी के बाद भी अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 6 विकेट पर 193 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को इंग्लैंड ने 19 ओवरों में ही सात विकेट खोकर हासिल कर लिया।

अनन्या और शुभमन विज्ञापन फिल्म में नजर आये, अफेयर की अटकलें भी हुईं तेज

मुम्बई । बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे और क्रिकेटर शुभमन गिल के बीच अफेयर की अटकलें तेज हो गयी हैं। ये अटकलें शुभमन और अनन्या के एक विज्ञापन फिल्म में आने के बाद बढ़ी हैं। इसमें इन दोनो की केमेस्ट्री को लोगों ने काफी पसंद किया है। इसका वीडियो भी जमकर वाइरल हुआ है। वहीं अनन्या ने इन बातों पर ध्यान न देते हुए अपने पसंदीदा क्रिकेटर के तौर पर शुभमन का नाम बताया है। अनन्या ने कहा कि वह भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली की एक बढ़ी प्रशंसक हैं। लोगों ने शुभमन और अनन्या दोनों की जोड़ी को पसंद करते हुए अपनी ओर से कॉमेंट किए हैं। वीडियो में शुभमन अनन्या को गले लगाते हैं जिससे अफेयर की चर्चाओं को बल मिला है। एक यूजर ने कॉमेंट किया, अनन्या कितनी लकी हैं कि उन्हें शुभमन के साथ काम करने का मौका मिला।, इससे पहले अनन्या और हार्दिक पंड्या का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें दोनों अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी में डांस करते नजर आए थे।

गंभीर ऐसा व्यक्ति नहीं है जो आराम से बैठकर चीजों को चलने दें : अजय जडेजा

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा का मानना है कि मुख्य कोच गौतम गंभीर के मार्गदर्शन में भारतीय

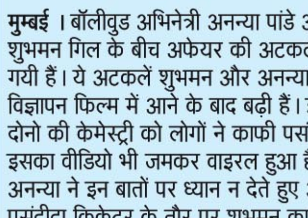

टीम बांग्लादेश के खिलाफ आक्रामक रुख अपनायेगी। जडेजा के अनुसार कोच गंभीर का अपना अलग ही तरीका है और उन्हें किसी सुझाव की जरुरत नहीं है। इस पूर्व क्रिकेटर का मानना है कि भारतीय टीम अभी विश्व में शीर्ष स्तर पर है। इसलिए ये सोचना कि बांग्लादेश ने पाक को हराया है, इसलिए हमको भी कड़ी टक्कर देगी कहना सही नहीं होगा। जडेजा के अनुसार 19 सितंबर से शुरु हो रही इस सीरीज का वह बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उनका मानना है कि भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में भी आक्रामक रुख अपनाकर हावी रहेगी। भारतीय टीम को बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज खेलनी है। जडेजा ने कहा, 'गंभीर का रुख आक्रामक है। इसलिए एक बात निश्चित है कि उनकी मौजूदगी में कोई नीरस पल नहीं आएगा, वह हमेशा कुछ न कुछ करने का प्रयास करेंगे।उन्होंने कहा, 'गंभीर ऐसा व्यक्ति नहीं है जो आराम से बैठकर चीजों को चलने दे। वह कुछ ऐसा करने की कोशिश करेंगे जो सबको हैरान करेगा। जिस प्रकार हमने सूर्यकुमार यादव को अचानक कप्तान बनते देखा था। उसी प्रकार मैं उस रोमांचक क्षण का इंतजार कर रहा हूं जो हम देखने जा रहे हैं।

भारत-बांग्लादेश कानपुर टेस्ट : ऐतिहासिक मैनुअल स्कोरबोर्ड का नहीं होगा इस्तेमाल

कानपुर।
भारत और बांग्लादेश के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज 19 सितंबर से होने जा रहा है। पहला मैच चेन्नई में, जबकि दूसरा मैच यहां कानपुर में खेला जाएगा। कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में 27 सितम्बर से दूसरा टेस्ट मैच होगा। इसकी तैयारियां इन दिनों जोरों पर है, पर लोगों की निगाहें यहां पर बने ऐतिहासिक मैनुअल स्कोरबोर्ड पर है। अबकी बार इस स्कोर बोर्ड पर खिलाड़ियों के नाम और रन नहीं दिखाई देंगे। ग्रीन पार्क में इससे पहले विश्व क्रिकेट की सभी बड़ी टीमों के मैच का गवाह ग्रीनपार्क स्टेडियम में स्थापित स्कोर बोर्ड रहा है जिसकी प्रशंसा यहां पर खेल चुकी सभी देश की टीमों के कप्तान और उनका प्रबंधन कर चुका है। यही नहीं इस स्कोर बोर्ड की प्रशंसा आईसीसी के पूर्व सीईओ व पूर्व क्रिकेटर डेव रिचर्डसन ने भी की थी।

साल 2000 में टेस्ट टीम का दर्जा पायी बांग्लादेश की टीम नगर में पहली बार खेलने आ रही है। कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में आगामी 27 सितम्बर से एक अक्टूबर के बीच भारत और बांग्लादेश की टीम आमने-सामने होंगी। स्टेडियम में खेले जाने वाले 24वें अंतरराष्ट्रीय टेस्ट मैच के लिए तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गईं हैं। ग्राउंड से लेकर दर्शकों के बैठने की व्यवस्था व एंट्री का ब्लू प्रिंट तैयार कर लिया गया है। फ्लड लाइट से लेकर ब्रॉडकास्टर के कैमरों के सेटअप की भी रिहर्सल हो चुकी है। हालांकि इस मैच में ग्रीन पार्क में जो अधूरा-अधूरा नजर आएगा, वह होगा ऐतिहासिक मैनुअल स्कोर बोर्ड का ना होना। ग्रीनपार्क में होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में सिर्फ डिजिटल स्कोर बोर्ड का प्रयोग किया जाएगा, जबकि अभी तक के अंतरराष्ट्रीय टेस्ट मैचों में डिजिटल के साथ-साथ मैनुअल स्कोर बोर्ड का भी इस्तेमाल होता रहा है। मैच के दौरान यह स्कोर बोर्ड भी एक आकर्षण का केंद्र रहता था। इसे दुनिया का सबसे बड़ा मैनुअल स्कोर बोर्ड माना जाता रहा है। इसे 1952 में एसएम बशीर व जगजीत सिंह ने बनाकर तैयार किया था, जबकि 1957 से अंतरराष्ट्रीय मैचों में इसका प्रयोग पहली बार किया गया था।

80 लोग करते थे संचालित

ग्रीन पार्क के स्कोर बोर्ड को ऐसे ही ऐतिहासिक स्कोर बोर्ड नहीं कहा जाता है। इस स्कोर बोर्ड में दोनों

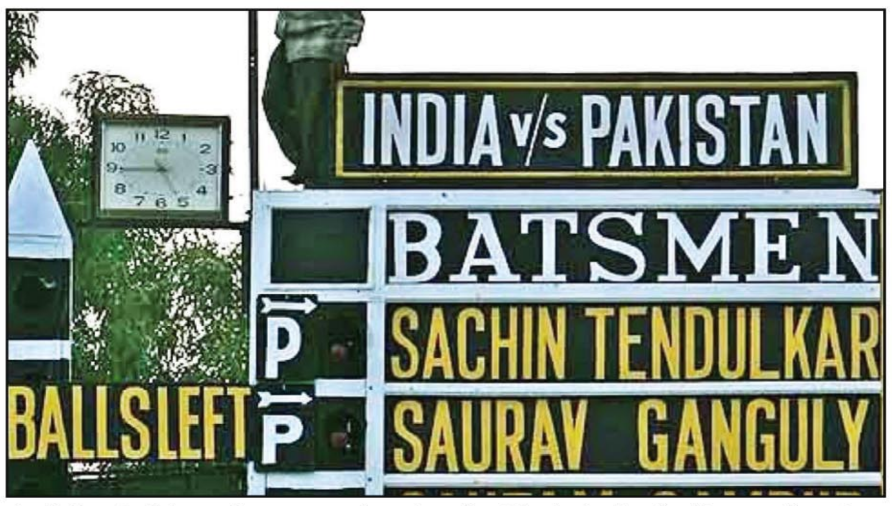

टीम के खिलाड़ियों के नाम के साथ-साथ अंपायर के नाम भी लिखे जाते थे। इसके अलावा रन रेट और लाइव स्कोरिंग की सुविधा भी मौजूद थी। इसे संचालित करने के लिए करीब 80 लोगों की आवश्यकता पड़ती थी। ग्रीन पार्क में क्रिकेट प्रेमियों को यह आखिरी बार भारत बनाम इंग्लैंड के बीच हुए टी-20 मैच में देखने को मिला था। यह दुनिया का इकलौता व अनूठा मैनुअल स्कोर बोर्ड भी रहा। इसकी स्थापना वर्ष 1952 में हुई और पहली बार 12 से 17 दिसंबर 1957 को भारत और वेस्टइंडीज के बीच टेस्ट मैच में इसका इस्तेमाल किया गया था। पूर्व स्कोरर सौरभ चतुर्वेदी के मुताबिक कम्प्यूटर की तरह काम करने वाले एकमात्र बचे इस बोर्ड में मैच के दौरान जिस खिलाड़ी के पास बॉल जाती थी, उस खिलाड़ी के नाम के आगे वाली लाइट जल जाती थी। आज स्कोर बोर्ड मैदान के एक कोने में कबाड़ की तरह छोड़ दिया गया। इस स्कोर बोर्ड का अंतिम बार प्रयोग 2017 में इंग्लैण्ड के खिलाफ टी-20 मुकाबले में किया गया था।

क्या जहीर की कमी पूरी कर पायेंगे यश

नई दिल्ली । युवा तेज गेंदबाज यश दयाल को बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय क्रिकेट टीम में जगह मिली है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल ने पिछले कुछ समय में आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया था। माना जा रहा है कि यश के आने से पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान की कमी पूरी होगी। जहीर के संन्यास के बाद बांए हाथ के गेंदबाज के तौर पर जयदेव उनादकट और टी नटराजन आये पर ये दोनो कुछ खास प्रभाव नहीं छोड़ पाये इसलिए टीम में अपनी जगह बरकरार नहीं रख पाये। अब यश का चयन भारतीय टीम के गेंदबाजी आक्रमण में संभावित बदलाव का संकेत दे रहा है। दयाल का प्रथम श्रेणी क्रिकेट करियर काफी प्रभावशाली रहा है। उन्होंने 24 मैचों में 28.89 की औसत से 76 विकेट हासिल किए हैं और हाल ही में दलीप ट्रॉफी में भी काफी अच्छी गेंदबाजी की। अब बांग्लादेश के खिलाफ 19 सितंबर से शुरु हो रहे पहले टेस्ट में यश को अंतिम ग्यारह में जगह मिल सकती है। इसमें उन्हें जसप्रीत बुमराह के साथ गेंदबाजी शुरु करने का अवसर मिलेगा। अब देखना है कि वह उम्मीदों पर कितने खरे उतरते हैं।

मोर्कल ने भारतीय क्रिकेट टीम के नए गेंदबाजी कोच के रूप में कार्यभार संभाला

चेन्नई ।
मोर्न मोर्कल बांग्लादेश के खिलाफ क्रिकेट सीरीज से ठीक पहले भारतीय टीम के साथ नये गेंदबाजी कोच के रूप में जुड़ गये हैं। भारतीय टीम को 17 सितंबर से बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलनी है। मोर्कल को पारस म्हाम्ब्रे की जगह पर गेंदबाजी कोच बनाया गया है। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर मोर्कल ने हाल ही में कहा था कि उन्हें भारतीय खाना भी पसंद है।

बीसीसीआई द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में मोर्कल ने भारतीय खाद्य पदार्थों के प्रति अपनी रुचि व्यक्ति करते हुए कहा, नाश्ते में मुझे थोड़ी सी पूड़ी पसंद है। डोसा और मुर्ग मलाई चिकन भी मेरे पसंदीदा व्यंजन हैं। एक कोच के रूप में यह दिखाना अहम है कि आप स्वस्थ खाना खाते हैं जिससे खिलाड़ी भी इस आदत को अपनाएं। मोर्कल ने भारतीय क्रिकेट टीम के कोच गौतम गंभीर के साथ आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ काम किया है।

भारतीय टीम के साथ अपने नए कार्यकाल को लेकर मोर्कल ने कहा, मैं खिलाड़ियों को समझने की कोशिश कर रहा हूं, मेरा लक्ष्य उनके मजबूत और कमजोर पक्षों को जानना और ठीक करना है। मैं इस श्रृंखला के लिए उनके लक्ष्य तय करने में सहायता करना चाहता हूं। हमें बांग्लादेश के खिलाफ जीत की उम्मीद है और मैं अपने अनुभव को खिलाड़ियों के साथ बांटूगा। मोर्कल ने कहा कि भारतीय टीम का गेंदबाजी कोच बनकर वह बेहद खुश हैं और टीम को आगे बढ़ाने में अपना योगदान देना चाहते हैं।

अब करोड़ों की संपत्ति के मालिक हैं नीरज

नई दिल्ली ।
स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा आज करोड़ों की संपत्ति के मालिक हैं। नीरज ने पेरिस ओलंपिक में रजत पदक के बाद डायमंड लीग फाइनल में भी दूसरा स्थान हासिल किया। इससे उन्हें 10 लाख रुपए से ज्यादा की इनामी राशि मिली है। चार साल पहले टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के बाद से ही नीरज की नेट वर्थ तेजी से बढ़ी है।

वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार उन्हें 30 लाख रुपये का मासिक वेतन मिलता है और उनकी वार्षिक आय 4 करोड़ रुपये है। वहीं विज्ञापन से होने वाली आय मिलाकर अब उनकी कुल संपत्ति 40 करोड़ रुपये के करीब पहुंच गयी है। नीरत कई कंपनियों के ब्रांड से जुड़े हैं। इसमें जेएसडब्लयू ग्रुप, नोइस आदि हैं।

साल 2020 में टोक्यों में स्वर्ण जीतने के बाद उन्हें हरियाणा सरकार ने 6 करोड़ रुपये जबकि पंजाब सरकार से 2 करोड़ रुपये का इनाम दिया था।

टोक्यो ओलंपिक में जीत के बाद नीरज चोपड़ा को आनंद महिंद्रा से महिंद्रा एसयूवी 700 मिली थी। टॉप वेरिएंट की इस कार की कीमत तकरीबन 30 लाख रुपये के करीब हैं। इसके अलावा उनके पास रेंज रोवर स्पोर्ट्स है, जिसकी कीमत लगभग 2 करोड़ रुपये से अधिक है। उनके पास टोयोटा फॉर्च्यूनर, फोर्ड मस्टांग जीटी जैसी भी गाड़ियां है. जिसकी कीमत आसानी से 90 लाख रुपये के करीब है। इसके अलावा उनके पास 11 लाख से अधिक कीमत वाली हार्ले डेविडसन 1200 रोडस्टर बाइक भी है।

एशियाई महिला चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी के लिए भारतीय टीम ने अभ्यास शुरु किया

नई दिल्ली ।
11 से 20 नवंबर तक बिहार के राजगीर स्टेडियम में होने वाली एशियाई महिला चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी के लिए बेंगलुरु में भारतीय टीम का अभ्यास शिविर शुरु हो गया है। ये शिविर भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) में 9अक्टूबर तक चलेगा। इस राष्ट्रीय कोचिंग शिविर में भारतीय टीम में शामिल 33 खिलाड़ी भाग ले रही हैं।

हॉकी इंडिया ने गत दिवस ही इस राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए 33 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा की थी।

भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने इस शिविर को लेकर कहा, ''राष्ट्रीय महिला कोचिंग शिविर एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए हमारी तैयारियों को बेहतर करेगा।'' उन्होंने कहा, ''यह शिविर हमें उन क्षेत्रों पर काम करने का अवसर देगा जिनमें सुधार की जरुरत है। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी पहली बार राजगीर में आयोजित की जाएगी। ऐसे में हमारी टीम के लिए

घरेलू धरती पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का एक अच्छा अवसर है।''

उन्होंने कहा, ''हम अपने कौशल, फिटनेस, 'टीम वर्क' को आगे बढ़ाने पर ध्यान दे रहे हैं।'' भारतीय महिला टीम ने पिछली बार एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023-24 सत्र में हिस्सा लिया था जिसमें उसने अर्जेंटीना, बेल्जियम, जर्मनी और ब्रिटेन जैसी टीमों का सामना किया था।

मेरठ मावरिक्स ने कानपुर सुपरस्टार्स को हराकर यूपी टी20 लीग जीती

कप्तान माधव ने अंतिम ओवर में छक्का लगाकर अपनी टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया

नई दिल्ली ।
कप्तान माधव कौशिक की आक्रामक बल्लेबाजी से मेरठ मावरिक्स ने कानपुर सुपरस्टार्स को फाइनल में 5 विकेट से हराकर पहली बार यूपी टी20 ट्रॉफी जीती है। मेरठ को अंतिम ओवर में जीत के लिए 8 रन बनाने थे और कप्तान माधव ने छक्का लगाकर अपनी टीम को जीत दिला दी।

मेरठ मावरिक्स ने इस मैच में कानपुर सुपरस्टार्स की ओर से रखे गए 191 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 19 ओवर और चार गेंदों में ही 196 रन बना दिये। कप्तान माधव ने नाबाद 69 रन बनाये जबकि स्वास्तिक चिकारा ने 62 रनों की पारी खेली। दिव्यांश राजपूत ने 24 रन बनाए जबकि रितिक वत्स 20 रन बनाकर नाबाद रहे। कानपुर की ओर से तेज गेंदबाज मोहसिन खान ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए।.

कानपुर सुपरस्टार्स ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान समीर रिज्वी के 57 और शौर्य सिंह के 56 रनों की सहायता से 5 विकेट पर 190 रन बनाए थे। सलामी बल्लेबाज शोएब सिद्दीकी ने 35 रन बनाये जबकि अंकुर मलिक 26 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं मेरठ मावरिक्स की ओर से यश गर्ग ने 4 ओवर में 47 रन देकर 3 विकेट लिए।

कोहली को चेतावनी दे स्टार्क ने कहा, मैं मुकाबले का पूरा लुत्फ उठाता हूं

नई दिल्ली । आस्ट्रेलिया के स्टार तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने विराट कोहली के साथ अपनी प्रतिद्वंद्विता के बारे में खुलकर कहा है कि वह इस भारतीय बल्लेबाज के खिलाफ मुकाबले का पूरा लुत्फ उठाते हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में यह दोनों क्रिकेटर एक बार फिर आमने-सामने आ रहे है। स्टार्क ने कहा कि मैं कोहली के साथ अपनी जंग का पूरा लुत्फ उठाता हूं। ऐसा इसलिए है क्योंकि हमने एक-दूसरे के खिलाफ काफी क्रिकेट खेली है। उन्होंने कहा कि हम दोनों के बीच कुछ अच्छे मुकाबले हुए हैं। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज स्टार्क ने टेस्ट क्रिकेट में कोहली को केवल चार बार आउट किया है। जबकि भारत की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज का तेज गेंदबाज के खिलाफ औसत 59 है, स्ट्राइक रेट 59.9 है। भारत ने अब ऑस्ट्रेलिया से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। यह श्रृंखला नवंबर, दिसंबर और जनवरी में खेली जाएगी और यह आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र का भी हिस्सा होगी।

PRADHANMANTRI GARIB KALYAN ANNA YOJANA | सत्यमेव जयते | जनताৰ চৰকাৰ | my GOV मेरी सरकार

Government of Assam
Department of Food, Public Distribution and Consumer Affairs

Another Stride Towards building a Nourished Society

Addition of 19,92,167 new beneficiaries under the National Food Security Act

Application form submission period
19 September - 15 October 2024

Dr Himanta Biswa Sarma
Chief Minister, Assam

Forms available at Food, Public Distribution & Consumer Affairs branch in all districts/sub-divisions and online at **pds.assam.gov.in**

Eligibility Criteria

- Applicant's annual family income should be less than ₹4 lakh
- Possession of a valid Aadhaar card is compulsory
- Applicants must be citizens of India
- All muster roll employees under the State Government, daily wage earners, retired Grade IV employees of Central and State Government and contractual employees having annual family income of less than ₹4 lakh per annum can also apply

Required Documents

- Voter ID / Voter List
- Proof of address (certificate or document)
- Passport size photographs of all family members
- Bank account information
- Form 'C' duly filled and signed
- Valid Aadhaar card

Success at a Glance

Till date
Total beneficiaries | 2,31,97,608
Total households | 66,86,845

Monthly distribution
1,28,020.51 metric tonnes of free rice

New Addition in 2023-24
New beneficiaries | 42,85,745
New ration cards issued | 10,73,489

Online distribution rate of free rice through e-Pos machines: 97%

To enhance transparency in public distribution system and make it more beneficiary oriented, introduced 'Anna Seva Din' (first 10 days of every month), providing citizens with easy access to essential services and commodities

The completed application form (Form 'C') along with copies of required documents should be submitted to the office of the respective Gaon Panchayat in rural areas, to the office of the concerned Municipality / Municipal Corporation in urban areas or in the Food, Public Distribution and Consumer Affairs branch in the district/sub-division

For more details, contact
- Food, Public Distribution and Consumer Affairs branch in the district / sub–division
- Toll – Free numbers of the Commissionerate, Food Public Distribution Consumer Affairs & Legal Metrology 1800-345-3611 and 1800-345-3588 (10:00 am – 5:00 pm)

Published by Directorate of Information and Public Relations, Assam | Connect with us @diprassam | dipr.assam.gov.in

-- Janasanyog/D/ 5830/ 24/ 16-Sep-24